RNI No. 58061/93 | वर्ष - 21 | अंक - 290 | पृष्ठ - 8 | रु. 5/- | बेंगलूरु » गुरुवार » 21-05-2026 | www.dakshinbharat.com | Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 राजा देश की चिंता नहीं करे, तो क्या उसे 'देशप्रेमी' कहेंगे : कांग्रेस

6 भारत ने मध्यस्थता न्यायालय का फैसला अवैध ठहराया

7 हर लड़की को अपना हीरो खुद बनना होगा : कंगना रनौत

भारत-इटली ने रिश्तों को विशेष रणनीतिक साझेदारी तक पहुंचाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रोम/भाषा। भारत और इटली ने बुधवार को अपने संबंधों को विशेष रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की और 2029 तक द्विपक्षीय व्यापार को 20 अरब यूरो तक विस्तारित करने के साझा लक्ष्य की पुष्टि की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी इतालवी समकक्ष जॉर्जिया मेलोनी ने बढ़ती भू-राजनीतिक उथल-पुथल के मद्देनजर द्विपक्षीय संबंधों को विस्तार देने के लिए व्यापक वार्ता की।

दोनों नेताओं ने पश्चिम में उत्पन्न स्थिति और क्षेत्र के साथ-साथ विश्व के शेष भाग पर इसके प्रभावों पर गहरी चिंता व्यक्त की। साथ ही क्षेत्र में स्थायी शांति के लिए तनाव कम करने, संवाद और कूटनीति के महत्व पर बल दिया।

मोदी और मेलोनी ने नौवहन की स्वतंत्रता और होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों के आवागमन को पुनः शुरू करने का भी आह्वान किया।

मोदी अपनी पांच देशों की यात्रा के अंतिम चरण में मंगलवार रात रोम पहुंचे थे। मेलोनी के साथ बातचीत के लिए पहुंचने पर मोदी को रस्मी सलामी गारद दी गई।

दोनों नेताओं ने संबंधों को विशेष रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने तथा व्यापार, निवेश और नई प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देने पर सहमति जताई।

मोदी और मेलोनी ने जनवरी में अंतिम रूप दिए गए भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से मिलने वाले अवसरों का लाभ उठाने पर सहमति व्यक्त की और इसके शीघ्र कार्यान्वयन का आह्वान किया।

इटली दौरे में 'मेलोडी' टॉफी को लेकर मेलोनी ने जताया मोदी का आभार

रोम/भाषा। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने 'मेलोडी' टॉफी भेंट किए जाने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया है। इस हल्के-फुल्के पल ने सोशल मीडिया पर दोनों नेताओं से जुड़े चर्चित 'मेलोडी' शब्द को फिर से चर्चा में ला दिया। मेलोनी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह कहती सुनाई दे रही हैं, प्रधानमंत्री मोदी मेरे लिए एक बहुत ही अच्छी टॉफी लेकर आए हैंमेलोडी। उन्होंने वीडियो के साथ लिखा, उपहार के लिए धन्यवाद। बुधवार को अपलोड किए गए इस वीडियो में प्रधानमंत्री मोदी भी नजर आते हैं और मेलोनी के 'मेलोडी' टॉफी के जिक्र पर हंसते दिखाई देते हैं।

धर्मनिरपेक्ष रुख पर कोई समझौता नहीं होगा : सतीशन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरूवनंतपुरम/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री वी डी सतीशन ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के धर्मनिरपेक्ष रुख पर कोई समझौता नहीं होगा। उन्होंने यह भी कहा कि यूडीएफ सांप्रदायिकता का कड़ा विरोध करेगा।

मंत्रिमंडल की बैठक के बाद यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए सतीशन ने कहा कि उनके और यूडीएफ द्वारा अपनाए गए धर्मनिरपेक्ष रुख में कोई बदलाव नहीं आया है। उन्होंने कहा, ''यह एक बेहद मजबूत धर्मनिरपेक्ष रुख है। जो भी सांप्रदायिकता की भाषा बोलेगा, उसका कड़ा विरोध किया जाएगा। यह यूडीएफ का दृढ़ धर्मनिरपेक्ष रुख है। इस पर कोई समझौता नहीं हो सकता।''

मुख्यमंत्री पदभार ग्रहण करने से पहले और बाद में यहां ईसाई बिशप के घरों की अपनी हालिया यात्राओं के संबंध में पूछे गए सवालों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने पूछा, ''बिशप के घरों का दौरा करने में क्या गलत है?''

सतीशन ने कहा कि वह चुनाव जीतने के बाद वहां गए थे, किसी प्रकार का लाभ उठाने के इरादे से नहीं। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने लैटिन बिशप हाउस का दौरा आर्चबिशप थॉमस जे नेटो के साथ अपने घनिष्ठ व्यक्तिगत संबंधों के कारण किया। उन्होंने कहा, ''मैंने कार्डिनल क्लीमिस से भी मुलाकात की। मैं शिवगिरि मठ जाने की भी योजना बना रहा हूं।'' उन्होंने कहा, ''मठ के भिक्षु कुछ दिन पहले मुझे आशीर्वाद देने आए थे।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका इरादा सभी के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखने का है, जिनमें वे लोग भी शामिल हैं जिन्होंने उनकी आलोचना की है। उन्होंने कहा, ''मैं उन लोगों से भी मिलूंगा जिन्होंने मेरे खिलाफ बोला था।

फर्स्ट टेक

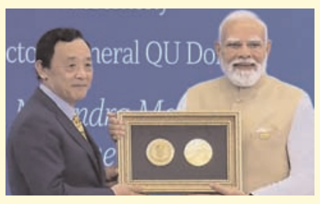

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को मिला प्रतिष्ठित 'एफएओ एग्रीकोला' पदक

रोम/भाषा। खाद्य सुरक्षा, सतत कृषि और ग्रामीण विकास में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के योगदान को मान्यता देते हुए उन्हें बुधवार को संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) ने प्रतिष्ठित 'एफएओ एग्रीकोला' पदक से सम्मानित किया। पांच देशों की अपनी यात्रा के अंतिम चरण के तहत मंगलवार रात इटली पहुंचे मोदी ने रोम में संयुक्त राष्ट्र के एफएओ मुख्यालय में एफएओ महानिदेशक डॉ. क्यू डोंग्यू से यह पुरस्कार ग्रहण किया। मोदी ने कहा कि यह सम्मान खाद्य सुरक्षा, सतत विकास और कृषि क्षेत्र से जुड़े लोगों के अथक परिश्रम के प्रति भारत की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

अमेरिका ने जापान में रॉकेट प्रणाली का परीक्षण किया

गोटेम्बा (जापान)/एपी। अमेरिकी मरीन सैनिकों ने बुधवार को जापान की सर्वोच्च पर्वत चोटी माउंट फुजी की तलहटी में एक स्थान पर मोबाइल लॉन्चर से दर्जन भर रॉकेट के परीक्षण किए। यह हथियार प्रणाली अमेरिकी सेना के शस्त्रागार में तेजी से अपनी जगह मजबूत कर रही है। 'हाई मोबिलिटी आर्टिलरी रॉकेट सिस्टम' (हिमर्स) एक ऐसा लॉन्चर है जो सैन्य ट्रक के पीछे लगा होता है और जिसे वाहन के गुप्त हिस्से से तेजी से निकालकर, रॉकेट दागे जाते हैं। इसे जवाबी हमले से बचने के लिए तुरंत किसी नए स्थान पर ले जाया जा सकता है। युद्धक्षेत्र में ड्रोन के बढ़ते उपयोग के कारण स्थिर ठिकानों के असुरक्षित होने की आशंका बढ़ गई है, ऐसे में ''दागो और भागो'' रणनीति का महत्व लगातार बढ़ता जा रहा है।

ईरान युद्ध के दौरान अमेरिका के 42 विमान नष्ट हुए : रिपोर्ट

वाशिंगटन/भाषा। ईरान के खिलाफ 28 फरवरी को शुरू किए गए 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' के दौरान लड़ाकू विमानों और ड्रोन सहित अमेरिका के कम से कम 42 विमान या तो नष्ट हो गए या क्षतिग्रस्त हो गए। 'कांग्रेसनल रिसर्च सर्विस' (सीआरएस) की रिपोर्ट में कहा गया है कि गोपनीयता, जारी सैन्य संघर्ष और हमलों की जिम्मेदारी तय करने जैसे कारणों की वजह से क्षतिग्रस्त या नष्ट हुए विमानों की संख्या में बदलाव हो सकता है।

'भारत किसी भी प्रकार की परमाणु धमकी को बर्दाश्त नहीं करेगा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत और दक्षिण कोरिया ने रक्षा साइबरस्पेस क्षेत्र और सैन्य प्रशिक्षण में सहयोग बढ़ाने के लिए बुधवार को महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए।

दोनों देशों ने मजबूत द्विपक्षीय रक्षा संबंधों और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस क्षेत्र में हाल के वर्षों में चीन की बढ़ती आक्रामकता देखी गयी है। ये समझौते रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उनके दक्षिण कोरियाई समकक्ष एह्न ग्यू-बैक के बीच सियोल में हुई व्यापक वार्ता के बाद हुए।

रक्षा मंत्री तीन दिवसीय यात्रा पर दक्षिण कोरिया में हैं। दोनों नेताओं ने समग्र रक्षा सहयोग की समीक्षा की और सैन्य उपकरणों के संयुक्त उत्पादन, समुद्री सुरक्षा, उभरती तकनीकों और क्षेत्रीय सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की।

साइबरस्पेस और सैन्य प्रशिक्षण से जुड़े समझौतों के अलावा भारत की लार्सन एंड टूब्रो (एलएंडटी) और दक्षिण कोरिया की हनव्हा कंपनी के बीच भी दो समझौते हुए।

भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर को भारत के एक मजबूत, आत्मविश्वासी और सक्षम राष्ट्र में परिवर्तन का प्रमाण बताया। उन्होंने कहा, यह ऑपरेशन इस बात का सबूत है कि भारत किसी भी रूप में आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा। एक जिम्मेदार परमाणु शक्ति के रूप में, हम 'पहले प्रयोग न करने' की नीति का दृढ़ता से पालन करते है।'' सिंह ने कहा, '' हालांकि, कई बार लोग हमारे संयम और शांति के प्रति प्रतिबद्धता को कमजोरी समझ लेते हैं। भारत अपनी 'पहले प्रयोग न करने' की नीति के प्रति प्रतिबद्ध रहते हुए भी, किसी भी प्रकार की परमाणु धमकी को बर्दाश्त नहीं करेगा। यही है नया भारत। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि दोनों देशों के बीच हुए समझौते रक्षा नवाचार और प्रौद्योगिकी साझेदारी के उज्ज्वल भविष्य का संकेत है।

बेंगलूरु में 35 करोड़ रुपए मूल्य के मादक पदार्थ जब्त, आठ गिरफ्तार

बेंगलूरु/भाषा। बेंगलूरु शहर के विभिन्न हिस्सों में मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप में तीन विदेशी नागरिकों सहित आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इन लोगों से दो कार के अलावा 17.5 किलोग्राम एमडीएमए (एक प्रकार का मादक पदार्थ) बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, बरामद मादक पदार्थ की कीमत करीब 35 करोड़ रुपए है। यह कार्रवाई 11 मई को मिली गोपनीय सूचना के आधार पर हेब्बाल थाना पुलिस के अधिकारियों द्वारा शुरू की गई थी। पुलिस ने बताया कि तलाशी अभियान के बाद आनंदनगर इलाके से एक महिला समेत तीन लोगों को हिरासत में लिया गया। उसने बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपियों ने कबूल किया कि उन्होंने दिल्ली में एक व्यक्ति से एमडीएमए खरीदा था और इसे बेंगलूरु में ऊंचे दामों पर बेच रहे थे। पुलिस ने कहा कि आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां उन्हें 10 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया।

नैतिकता और सुशासन एक ही सिक्के के दो पहलू : राष्ट्रपति मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रशासनिक निर्णय लेने में देरी को लोगों को उनके वैध हितों से वंचित करने के समान करार देते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को यहां कहा कि निर्णय लेने से बचना किसी भी तरह से नैतिकता नहीं है। भारतीय प्रशासनिक सेवा के 2024 बैच के अधिकारियों के एक समूह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि नैतिकता और सुशासन एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।

राष्ट्रपति ने कहा, ''अधिकारियों को ईमानदार एवं नैतिक होना चाहिए। लेकिन, इसके साथ ही आपको परिणाम भी देने होंगे। आईएएस अधिकारियों से अपेक्षा की जाती है कि वे उन्हें सौंपे गए अधिकारों का इस्तेमाल करें।'' उन्होंने कहा, ''राष्ट्रपति ने कहा कि निर्णय लेने से बचना नैतिकता नहीं है बल्कि, जनहित और स्थापित व्यवस्था के अनुरूप सही निर्णय लेना ही नैतिकता का सच्चा सार है। जिस प्रकार न्याय मिलने में देरी को न्याय से वंचित करना माना जाता है, उसी प्रकार प्रशासनिक निर्णय लेने में देरी भी लोगों को उनके वैध हितों से वंचित करने के समान है।'' उन्होंने पूर्व उप प्रधानमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल का उल्लेख करते हुए कहा कि शासन व्यवस्था के कुछ क्षेत्रों में आज भी स्वतंत्रता-पूर्व काल की कुछ पुरानी प्रथाओं और चलन के तत्व मौजूद हैं।

राष्ट्रपति ने कहा, ''इस तरह की व्यवस्था को निश्चित रूप से व्यवस्था से हटाना चाहिए। आपको इस राष्ट्रीय लक्ष्य में योगदान देना होगा।

आईएएस प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए पटेल ने 1947 में कहा था, यह आपका परम कर्तव्य होगा कि आप भारत के आम नागरिकों के साथ अपने जैसा व्यवहार करें, या सही रूप में कहें तो स्वयं को उन्हीं में से एक मानें और उनके बीच रहें।

राष्ट्रपति ने कहा कि मानसिक उपनिवेशवाद से मुक्ति के लिए चल रहे हमारे राष्ट्रीय प्रयासों के संदर्भ में यह कथन विशेष रूप से प्रासंगिक हो जाता है।

सूर्यास्त 21-05-2026	सूर्योदय 22-05-2026
6:39 बजे	5:53 बजे

BSE	NSE
75,318.39	23,659.00
(+117.54)	(+41.00)

सोना	चांदी
16,417 रु.	278,564 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

देशव्यापी दवा विक्रेताओं की हड़ताल का मिला-जुला असर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ऑनलाइन दवा विक्रेताओं द्वारा अनियमित कारोबार और भारी छूट दिए जाने के विरोध में ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स द्वारा आहूत एक दिवसीय बंद का असर सीमित रहा, हालांकि संगठन ने दावा किया कि उसे देशभर में अपने सदस्यों का व्यापक समर्थन मिला।

ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स (एआईओसीडी) का दावा है कि वह 12.4 लाख दवा विक्रेताओं, फार्मासिस्टों और वितरकों का प्रतिनिधित्व करता है। संगठन ऑनलाइन दवा कंपनियों की उन गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहा है, जिन्हें उसने अवैध बताया है।

एआईओसीडी ने एक बयान में कहा, देशव्यापी बंद पूरी तरह शांतिपूर्ण रहा और देशभर के केमिस्टों तथा दवा विक्रेताओं का इसे भारी समर्थन मिला। संगठन ने यह भी कहा कि मानवीय जिम्मेदारी निभाते हुए जरूरतमंद मरीजों को आवश्यक और आपातकालीन दवाएँ उपलब्ध कराई गयी।

बयान के अनुसार, विभिन्न राज्यों के केमिस्ट और ड्रगिस्ट संघों तथा देशभर के सभी जिलों के दवा विक्रेताओं ने अपनी दुकानें बंद रखकर आंदोलन को सर्वसम्मति से समर्थन दिया।

देश संकट में और प्रधानमंत्री टॉफी बांट रहे हैं : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा इटली की उनकी समकक्ष जॉर्जिया मेलोनी को 'मेलोडी' टॉफी भेंट किए जाने को लेकर बुधवार को कटाक्ष किया और कहा कि 'आर्थिक तूफान' सर पर है और प्रधानमंत्री टॉफी बांट रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि 'यह नेतृत्व नहीं, नौटंकी है।'

मेलोनी ने टॉफी भेंट करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया है। इस हल्के-फुल्के पल ने सोशल मीडिया पर दोनों नेताओं से जुड़े चर्चित 'मेलोडी' शब्द को फिर से चर्चा में ला दिया।

मेलोनी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह कहती सुनाई दे रही हैं, ''प्रधानमंत्री मोदी मेरे लिए एक बहुत ही अच्छी टॉफी लेकर आए हैंमेलोडी।''

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''आर्थिक तूफ़ान सर पर है और हमारे प्रधानमंत्री इटली में टॉफ़ी बांट रहे हैं। किसान, युवा, महिलाएं, मज़दूर और छोटे व्यापारी सब रो रहे हैं। प्रधानमंत्री हंसकर रील बना रहे हैं, और भाजपा वाले ताली बजा रहे हैं।'' उन्होंने दावा किया, ''यह नेतृत्व नहीं, नौटंकी है।''

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने महंगाई, बेरोजगारी, पेपर लीक, 'घटते' निवेश और डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट जैसे मुद्दों को लेकर बुधवार को प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधा और कहा कि वह (मोदी) अपना प्रचार जारी रखे हुए हैं, जबकि अर्थव्यवस्था संकट का सामना कर रही है।

राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष ने यह दावा भी किया प्रधानमंत्री मोदी चाहते हैं कि जनता उनकी सरकार की लूट के कारण पैदा होने वाली 'मुश्किल' से बचे रहने की कोशिश करने के साथ उनके भाषणों की 'मेलोडी' (राग) का आनंद उठाए।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने राहुल गांधी पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष को भारत और भारत में बनी हर वस्तु से इतनी नफरत क्यों है?

राहुल गांधी 'रिजेक्टेड माल' हैं : देवेंद्र फडणवीस

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को राहुल गांधी को 'रिजेक्टेड माल' (खारिज किये जा चुके) करार दिया। यह बयान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ कांग्रेस नेता की विवादास्पद टिप्पणी को लेकर चल रही राजनीतिक बयानबाजी के बीच आया है। फडणवीस ने कहा कि विभिन्न देशों की मोदी की यात्राओं के दौरान उन देशों के साथ हुए समझौतों के माध्यम से भारत ने अपने दीर्घकालिक रणनीतिक हितों को सुरक्षित कर लिया है। जब उनसे विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को 'गद्दार' कहे जाने के बारे में पूछे जाने पर, फडणवीस ने उन्हें (गांधी को) 'रिजेक्टेड माल' बताया। उन्होंने पत्रकारों से कहा, लोग आलोचना कर रहे थे, पूछ रहे थे कि प्रधानमंत्री विदेश क्यों गए और वहां क्या हो रहा है।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

कद की भद

है लोकतंत्र में नहीं खुदा,
कोई भी मंत्री या सांसद।
सब संविधान के हैं अधीन,
सबको है खबर सभी की हद।
करते विरोध जो जायज का,
कुछ वोटों का पा करके मद।
विस्मृत करके वे अपना कद,
उड़वाते हैं खुद की खुद भद।।

मार्च तिमाही में वाहन, दोपहिया ऋण वितरण में बड़ी गिरावटः रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। दिसंबर तिमाही में उछाल के बाद जनवरी-मार्च, 2026 तिमाही में वाहन और दोपहिया ऋण वितरण में मूल्य के लिहाज से बड़ी गिरावट दर्ज की गई। बुधवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

ऋण सूचना प्रदाता 'क्रिफ हाई मार्क' की यह रिपोर्ट कहती है कि मार्च तिमाही में वाहन ऋण वितरण 11.6 प्रतिशत घटकर 1.05 लाख करोड़ रुपए रह गया। दोपहिया ऋण वितरण में इससे भी अधिक 22 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और यह 29,800 करोड़ रुपए पर आ गया। रिपोर्ट के मुताबिक, जीएसटी दरों को तर्कसंगत बनाए जाने और त्योहारी मांग के कारण अक्टूबर-दिसंबर, 2025 तिमाही में वाहनों की मांग तेजी से बढ़ी थी। इससे बने उच्च आधार के बाद वाहन ऋण वितरण मार्च तिमाही में गिर गया। हालांकि, पोर्टफोलियो के आधार पर वाहन ऋण में तिमाही आधार पर 3.4 प्रतिशत और दोपहिया ऋण में 2.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 में कुल खुदरा ऋण 16.6 प्रतिशत बढ़कर 170 लाख करोड़ रुपए हो गया। इस दौरान दबाव वाले कर्ज में भी कमी आई। रिपोर्ट के मुताबिक, आवास ऋण पोर्टफोलियो में वित्त वर्ष 2025-26 में 10% से कम वृद्धि हुई, जबकि सोना रखकर कर्ज वितरण यानी गोल्ड लोन में 50.4 प्रतिशत की तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई।

मुंबई में अतिक्रमण रोधी अभियान के दौरान हिंसा

मुंबई/भाषा। मुंबई के बांद्रा इलाके में झुग्गी बस्ती में अतिक्रमण रोधी अभियान के दौरान बुधवार को कथित रूप से एक अवैध धार्मिक ढांचा तोड़े जाने के बाद हिंसा भड़क गई और स्थानीय निवासियों ने पत्थर फेंके जबकि पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने पथराव के आरोप में 15 लोगों को हिरासत में लिया है। उन्होंने कहा कि पथराव में एक पुलिसकर्मी घायल हो गया।

पश्चिम रेलवे ने बंबई उच्च न्यायालय के निर्देशों के बाद बांद्रा रेलवे स्टेशन के निकट गरीब नगर स्लम इलाके में मंगलवार को व्यापक अतिक्रमण रोधी अभियान चलाकर 500 अवैध झोपड़ियों में से अधिकतर को ध्वस्त कर दिया। अधिकारियों को रेलवे भूमि पर 5200 वर्ग मीटर हिस्से पर से अतिक्रमण हटाना है। पुलिस के अनुसार अभियान के दौरान वहां पर 1,000 से अधिक जवान तैनात किए गए थे। इनमें से 400 पुलिसकर्मी मुंबई के थे जबकि अन्य रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) से थे।

यूरोबैंक ने यूनान से भारत के लिए यूपीआई आधारित धनप्रेषण सेवा शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। यूरोबैंक ने यूनान से भारतीय ग्राहकों के लिए यूपीआई आधारित धनप्रेषण सेवा शुरू कर दी है, जिससे कम लागत पर पैसे लगभग तत्काल भेजे जा सकेंगे।

बैंक के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को कहा कि यह सेवा पिछले सप्ताह शुरू की गई, जिसके तहत यूनान में यूरोबैंक के ग्राहक भारत में एकीकृत भुगतान व्यवस्था यूपीआई से जुड़े खातों में धन भेज सकते हैं।

यह पहल एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (एनआईपीएल) और भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के साथ हुए समझौते के तहत शुरू की गई है। यह समझौता 2024 की शुरुआत में सीमापार भुगतान को बढ़ावा देने के लिए हुआ था। यूरोबैंक के उप मुख्य कार्यपालक अधिकारी स्टावरोस इओआनू ने कहा कि इस सेवा पर न्यूनतम शुल्क ही लिया जाएगा ताकि मुख्य रूप से परिचालन लागत को कवर किया जा सके। उन्होंने बताया कि यह मंच यूरोबैंक और एनपीसीआई की प्रणालियों के बीच परस्पर संचालन के जरिये विकसित किया गया है, जिससे यूनान से भारत पैसे भेजना आसान हो सके।

यह सुविधा फिलहाल यूनान में यूरोबैंक के खाते रखने वाले भारतीय ग्राहकों के लिए ही उपलब्ध है। इसका उद्देश्य वहां के भारतीय समुदाय के लिए पैसे भेजना आसान बनाना है। बैंक ने कहा कि वह बृहस्पतिवार को साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडुलिडेस की भारत यात्रा के दौरान देश में अपना पहला प्रतिनिधि कार्यालय खोलेगा।

नीट-यूजीः प्रधान ने तैयारियों की समीक्षा की, फर्जी टेलीग्राम चैनल पर कार्रवाई के आदेश दिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने नीट-यूजी की दोबारा परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा के लिए बुधवार को केंद्रीय सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। प्रधान ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा से संबंधित गलत सूचना फैलाने वाले फर्जी टेलीग्राम चैनल के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए।

अधिकारियों के अनुसार, मंत्री ने राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) का सुरक्षित, निष्पक्ष और सुचारू आयोजन सुनिश्चित करने के लिए कड़ी निगरानी और पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर दिया। शिक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के महानिदेशक भी बैठक में उपस्थित थे। बैठक में कमियों की पहले से पहचान करने और समय पर ऐहतियाती एवं सुधारात्मक उपायों को सुनिश्चित करने के लिए तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई। उन्होंने कहा कि कई ऐसे चैनल प्रमुख परीक्षाओं से पहले बेहद सक्रिय हो जाते हैं, तथा फर्जी पेपर लीक के दावे, क्लिकबेट सामग्री और अपुष्ट जानकारी प्रसारित करते हैं। इससे छात्रों और अभिभावकों के बीच भ्रम की स्थिति पैदा होती है। इस बात पर जोर दिया गया कि ऐसे कई लिंक उपयोगकर्ताओं को स्वचालित बॉट और फर्जी समूहों की ओर से भेजे जाते हैं, जिन्हें गलत जानकारी फैलाने के लिए तैयार किया जाता है। खुफिया एजेंसियों द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, कई संदिग्ध चैनल सीमित संख्या में फोन नंबरों के माध्यम से संचालित किए जा रहे हैं, जो समन्वित और संगठित गतिविधि की ओर संकेत करते हैं।

प्रधान ने मामले को गंभीरता से लेते हुए ऐसे नेटवर्क के खिलाफ केंद्रित कार्रवाई के निर्देश दिए, जिसमें परीक्षाओं से पहले फर्जी जानकारी फैलाने वाले चैनल की पहचान, उन्हें ब्लॉक करने और हटाने की कार्रवाई शामिल है। मंत्री ने कहा कि सोशल मीडिया मंच को गलत जानकारी पर तेजी से रोक लगाने और परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए शिक्षा मंत्रालय, एनटीए और कानून लागू करने वाली एजेंसियों को करीबी समन्वय में काम करना चाहिए।

पंजाब में नीट अभ्यर्थियों के लिए रोडवेज बसों में मुफ्त यात्रा की घोषणा : मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बुधवार को कहा कि प्रदेश सरकार ने नीट-यूजी की पुनर्परीक्षा में शामिल होने वाले सभी छात्रों के लिए पंजाब रोडवेज की बसों में किराया माफ करने का निर्णय किया है। यह परीक्षा 21 जून को आयोजित की जाएगी।

मान ने कहा कि कई गरीब छात्र भी राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) की परीक्षा देते हैं और उनके पास परीक्षा केंद्र तक पहुंचने के लिए किराया देने के भी पैसे नहीं होते।

उन्होंने कहा, ''हाल ही में अरविंद केजरीवाल ने नीट छात्रों से बातचीत की थी, जिसमें उन्होंने (विद्यार्थियों ने) सहायता की मांग की थी। इसी के मद्देनजर पंजाब सरकार ने फैसला लिया है कि 20, 21 और 22 जून को नीट परीक्षा देने वाले सभी छात्रों से पंजाब रोडवेज बसों में किराया नहीं लिया जाएगा। अपना प्रवेश-पत्र दिखाकर छात्र मुफ्त यात्रा कर सकेंगे।

नीट-यूजी तीन मई को आयोजित की गई थी, लेकिन परीक्षा प्रक्रिया में अनियमितताओं के आरोपों के बाद इस रद्द कर दिया गया था तथा फिर से इसे आयोजित कराने का निर्णय लिया गया।

बिट्टू ने मोदी के विदेश दौरे पर सवाल उठाने को लेकर मान की आलोचना की, उन्हें 'आईएसआई एजेंट' कहा

चंडीगढ़/भाषा। केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विदेश दौरों पर सवाल उठाने के लिए बुधवार को पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर जमकर निशाना साधा और उन्हें ''आईएसआई एजेंट'' तक कह दिया।

बिट्टू ने यहां एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से कहा, ''क्या आप (मान) खुद की तुलना प्रधानमंत्री से करते हैं? क्या आप उतना काम कर सकते हैं, जितना प्रधानमंत्री करते हैं? वह देश के प्रधानमंत्री हैं और उनके लिए देश-दुनिया की यात्रा जरूरी है। अगर वह बाहर नहीं जाएंगे तो तेल और गैस का मुद्दा कैसे सुलझाएंगे? इसके बारे में उन्हें (मान को) क्या पता? यह बेहद गंभीर मामला है। मैं कहना चाहता हूं कि यह शख्स आईएसआई का एजेंट है और उसके इशारे पर देश को खतरे में डालना चाहता है। वह प्रधानमंत्री के काम में अड़चनें पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। मैं लोगों से कहना चाहता हूं कि इनपर नजर रखें।'' दरअसल, मान ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा था कि एक तरफ मोदी लोगों से विदेश यात्रा से बचने की अपील कर रहे हैं, दूसरी तरफ खुद विदेश यात्रा पर जा रहे हैं।

'मेलोडी' वीडियो के बाद टॉफी बनाने वाली कंपनी के भ्रम में पार्ले इंडस्ट्रीज के शेयर में तेज लिवाली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। 'मेलोडी' वीडियो सोशल मीडिया पर आने के बाद टॉफी बनाने वाली कंपनी समझ निवेशकों ने पार्ले इंडस्ट्रीज लि. के शेयर में बुधवार को जोरदार लिवाली की। कंपनी का शेयर पांच प्रतिशत चढ़कर ऊपरी सर्किट सीमा पर पहुंच गया।

हालांकि, पार्ले इंडस्ट्रीज मेलोडी टॉफी नहीं बनाती। इसी नाम की पार्ले प्रोडक्ट्स मेलोडी टॉफी बनाती है और वह सूचीबद्ध नहीं है।

इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उन्हें मेलोडी टॉफी का पैकेट उपहार में देने का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया। उसके बाद निवेशकों की कंपनी के शेयर में दिलचस्पी अचानक बढ़ गई। कंपनी के शेयर की शुरुआत धीमी रही। लेकिन मेलोनी द्वारा वीडियो साझा करने के तुरंत बाद उनमें तेजी आ गई। वीडियो में मेलोनी कहती सुनाई दे रही हैं, ''प्रधानमंत्री मोदी उपहार में बहुत ही बढ़िया टॉफी लाए हैं...।''

निवेशकों ने जरा भी देर नहीं की और शेयर खरीदने के लिए बाजार में उमड़ पड़े।

बीएसई में कंपनी का शेयर पांच प्रतिशत बढ़कर 5.25 रुपए पर पहुंच गया जो उस दिन की उच्चतम कारोबारी सीमा थी। मात्रा के हिसाब से, बीएसई में कंपनी के 8.57 लाख शेयरों का कारोबार हुआ।

हालांकि, निवेशकों ने गलती से पार्ले इंडस्ट्रीज को मेलोडी टॉफी बनाने वाली कंपनी समझ लिया।

दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली पार्ले प्रोडक्ट्स मेलोडी टॉफी बनाती है और शेयर बाजार में सूचीबद्ध नहीं है।

पार्ले प्रोडक्ट्स के अन्य प्रसिद्ध ब्रांड में पार्ले-जी, मोनाको, क्रैकजैक, हाइड एंड सीक, कच्चा मैंगो बाइट आदि शामिल हैं।

पार्ले इंडस्ट्रीज एक विविध वाणिज्यिक सेवा प्रदाता कंपनी है, जो बुनियादी ढांचा एवं रियल एस्टेट संपत्ति तथा कागज, अपशिष्ट कागज और संबंधित उत्पादों के कारोबार में लगी हुई है।

'जी राम जी अधिनियम' एक जुलाई से लागू होगा, सरकार ने संसदीय समिति को सूचित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने बुधवार को संसद की एक स्थायी समिति को बताया कि मनरेगा के स्थान पर लाए गए 'विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम' को आगामी एक जुलाई को लागू किया जाएगा और 25 राज्यों ने पहले ही इस कार्यक्रम के लिए अपने हिस्से का धन आवंटित कर दिया है।

ग्रामीण विकास और पंचायती राज से संबंधित स्थायी समिति की बैठक में जी राम जी अधिनियम के राष्ट्रव्यापी कार्यान्वयन के लिए उठाए गए कदमों पर विस्तृत जानकारी दी गई। सूत्रों के मुताबिक, ग्रामीण विकास मंत्रालय के सचिव रोहित कंसल ने समिति के सदस्यों को बताया कि 25 राज्यों ने पहले ही इस कार्यक्रम के लिए धन आवंटित कर दिया है और सभी प्रशासनिक एवं नीतिगत कार्रवाइयां शुरू की जा रही हैं।

सूत्रों के अनुसार, सभी प्रमुख राज्यों ने एक जुलाई से इस योजना को लागू करने के लिए आवश्यक धनराशि आवंटित कर दी है।

लाभार्थी श्रमिकों को महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) 2005 के तहत जारी 'जॉब कार्ड' के स्थान पर नए 'स्मार्ट जॉब कार्ड' दिए जाएंगे।

सूत्रों ने कहा कि पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए नए जॉब कार्ड में चेहरा पहचानने की विशेष सुविधा होगी।

जी राम जी अधिनियम के ढांचे के तहत प्रत्येक ग्रामीण परिवार, जिसके वयस्क सदस्य अकुशल शारीरिक श्रम करने के लिए स्वेच्छा से आगे आते हैं, एक वित्त वर्ष में 125 दिन की गारंटीकृत मजदूरी के हकदार होंगे, जो मनरेगा के तहत 100 दिनों की गारंटी से अधिक है।

रोजगार निर्धारित समय सीमा के भीतर उपलब्ध कराना होगा, ऐसा न करने पर श्रमिक अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार बेरोजगारी भत्ता के पात्र बने रहेंगे।

मुख्यमंत्री नायडू ने मंदिर में पूजा-अर्चना की और कुप्पम में ताड़गोला का आनंद लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कुप्पम/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को चित्तूर जिले के प्रसन्ना गंगम्मा मंदिर में पूजा-अर्चना की।

एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मुख्यमंत्री ने अपनी पत्नी एन भुवनेश्वरी के साथ देवता को रेशमी वस्त्र अर्पित किए।

विज्ञप्ति में कहा गया है, मुख्यमंत्री और उनकी पत्नी ने तिरुमला वेंकटेश्वर मंदिर में देवी प्रसन्ना तिरुपति गंगम्मा को रेशमी वस्त्र और प्रसाद अर्पित किया।

इससे पहले मंदिर के पुजारियों ने मुख्यमंत्री का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया।

बाद में, मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कुप्पम में एक रोड किनारे की दुकान पर ताड़ फल (ताड़गोला) का स्वाद लिया।

नायडू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, इसमें कोई मिलावट या कार्बाइड नहीं है, और कीटनाशकों का कोई नामोनिशान नहीं है। सड़क किनारे ठंडी-ठंडी ताती मुंजुलु (ताड़गोला) खाना बहुत ताजगी भरा है। आंध्र प्रदेश के पारंपरिक ग्रामीण खाद्य पदार्थों की प्रशंसा करते हुए उन्होंने स्थानीय विक्रेताओं से बातचीत करते हुए गर्मी के स्वादिष्ट फल का आनंद लिया।

सरकार ने विधिक मापन सत्यापन बुनियादी ढांचे को मज़बूत कियाः प्रहलाद जोशी

नई दिल्ली/भाषा। खाद्य और उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बुधवार को कहा कि सरकार ने भारत के विधिक मापन सत्यापन बुनियादी ढांचे को मजबूत किया है और सटीक माप के महत्व पर जोर दिया है। एक सरकारी बयान के अनुसार, उपभोक्ता मामलों के विभाग ने बुधवार को विश्व मापतौल दिवस 2026 मनाया, जो 20 मई, 1875 को पेरिस में हस्ताक्षरित ऐतिहासिक 'मीटर कन्वेंशन' की 151वीं वर्षगांठ का प्रतीक है। इस वर्ष के विश्व मापतौल का विषय है: 'मापतौल: नीति निर्माण में विश्वास का निर्माण।'

जोशी ने अपने वर्चुअल संबोधन में निष्पक्षता, उपभोक्ता संरक्षण, वैज्ञानिक विश्वसनीयता और पारदर्शी शासन सुनिश्चित करने में मापतौल की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। इस वर्ष के विषय का उल्लेख करते हुए, मंत्री ने जोर देकर कहा कि ''सटीक और विश्वसनीय माप प्रभावी सार्वजनिक नीति, व्यापार, स्वास्थ्य सेवा, पर्यावरण संरक्षण और औद्योगिक विकास की रीढ़ होते हैं।'' जोशी ने बताया कि विभाग ने पात्र निजी संस्थाओं को 40 'सरकारी अनुमोदित परीक्षण केंद्र' (जीएटीसी) प्रमाण पत्र जारी करके भारत के विधिक मापन सत्यापन बुनियादी ढांचे को मजबूत किया गया है। उन्होंने विभाग द्वारा किए गए कई प्रमुख सुधारों पर प्रकाश डाला।

देहरादून के निजी अस्पताल में लगी आग, महिला मरीज की मौत

देहरादून/भाषा। देहरादून के एक निजी अस्पताल में बुधवार को आग लगने से वहां भर्ती एक महिला मरीज की मौत हो गई जबकि 10 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि बचाव कार्य में शामिल तीन पुलिसकर्मियों को भी घुटन और सांस लेने में दिक्कत की वजह से अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। घटना यहां हरिद्वार रोड स्थित पैनेसिया अस्पताल की आईसीयू में हुई जहां एयर कंडीशनर में शार्ट सर्किट से हुए विस्फोट से आग लग गई। सूचना मिलते ही पुलिसकर्मी और दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने के साथ ही गैस रिसाव और धुएं के बीच बचाव एवं राहत अभियान शुरू किया तथा आईसीयू में भर्ती मरीजों को बाहर निकाला। हालांकि, घटना में कुछ मरीज घायल हो गए तथा गैस व धुंए के कारण ऑक्सीजन की कमी होने के चलते उनकी दिक्कतें बढ़ गईं जिन्हें विभिन्न नजदीकी अस्पतालों में भेजा गया।

दहेज हत्याः अदालत ने ट्वीशा के शव को सुरक्षित रखने का आदेश दिया, दूसरे पोस्टमॉर्टम से इनकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल की एक स्थानीय अदालत ने बुधवार को आदेश दिया कि दहेज के लिए कथित तौर पर प्रताड़ित की गई और पिछले हफ्ते मृत पाई गई नोएडा की महिला ट्वीशा शर्मा के शव को सुरक्षित रखा जाए। अदालत ने हालांकि शव का दोबारा पोस्टमॉर्टम कराने की परिवार की मांग खारिज कर दी।

न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अनुदिता गुप्ता ने आदेश पारित करते हुए कहा कि पुलिस को एक पत्र जारी किया जाए, जिसमें उसे निर्देश दिया जाए कि वे मध्यप्रदेश में कम तापमान वाले संरक्षण सुविधा के बारे में तुरंत जानकारी प्राप्त करें और बिना किसी देरी के अदालत में इस संबंध में एक लिखित रिपोर्ट प्रस्तुत करें। अदालत के इस निर्देश से कुछ घंटे पहले ही भोपाल पुलिस ने ट्वीशा शर्मा के परिवार से शव के खराब होने की आशंकाओं के मद्देनजर उसे कब्जे में लेने का अनुरोध किया था।

एक दिन पहले, अदालत ने शव को संरक्षित करने और मध्यप्रदेश के बाहर दूसरा पोस्टमॉर्टम करने का फैसला करने से पहले केस डायरी की समीक्षा करने की बात कही थी। ट्वीशा का 13 मई को राजधानी भोपाल स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में पोस्टमॉर्टम हुआ था और तभी से उसका शव वहां के मुर्दाघर में रखा हुआ है।

केरल के मुख्यमंत्री सतीशन वित्त और कानून विभाग संभालेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री वीडी सतीशन वित्त, कानून, सामान्य प्रशासन और बंदरगाह सहित 35 विभागों का कार्यभार संभालेंगे। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने विभागों के आवंटन के सिलसिले में मुख्यमंत्री की सिफारिशों को मंजूरी दे दी है। 'लोक भवन' ने बुधवार को यह जानकारी दी।

सतीशन के अलावा संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) सरकार के विभिन्न मंत्रियों ने 18 मई को शपथ ग्रहण की थी। लोक भवन के मुताबिक, वरिष्ठ कांग्रेस नेता रमेश चेन्निथला को गृह, सतर्कता और तीन अन्य विभागों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। बाद में राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से विभागों के आवंटन की जानकारी दी गई, जिसके अनुसार मुख्यमंत्री सभी महत्वपूर्ण नीतिगत मामलों और अन्यत्र उल्लेखित न किए गए विषयों को भी संभालेंगे।

अधिसूचना में कहा गया कि इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के नेता पीके कुन्हालीकुट्टी उद्योग एवं वाणिज्य, सूचना प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्टार्टअप, खनन एवं भूविज्ञान और हथकरघा एवं वस्त्र विभाग की जिम्मेदारी संभालेंगे। लोक भवन ने बताया कि केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के प्रमुख सनी जोसेफ को बिजली, पर्यावरण और संसदीय मामलों का प्रभार दिया गया है, जबकि पार्टी के वरिष्ठ नेता के मुरलीधरन स्वास्थ्य, देवस्वोम, खाद्य सुरक्षा और चिकित्सा शिक्षा सहित सात विभागों का नेतृत्व करेंगे। इनके अलावा, रोजी एम जॉन उच्च शिक्षा विभाग संभालेंगे, जबकि एपी अनिल कुमार भूमि और राजस्व विभाग के प्रमुख होंगे तथा एन. शम्सुद्दीन सामान्य शिक्षा मंत्री होंगे।

लोक भवन के मुताबिक, रेवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी (आरएसपी) के विधायक शिबू बेबी जॉन को वन एवं वन्यजीव संरक्षण और कौशल विकास विभाग सौंपा गया है, जबकि केरल कांग्रेस (जोसेफ) के विधायक मोन जोसेफ सिंचाई, भूजल, जल आपूर्ति, स्वच्छता एवं आवास विभागों के प्रमुख होंगे।

उसने कहा कि खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग की जिम्मेदारी केरल कांग्रेस (जैकब) के विधायक अनूप जैकब संभालेंगे, जबकि आईयूएमएल के विधायक वीई अब्दुल गफूर मत्स्य विभाग का नेतृत्व करेंगे।

कर्नाटक में नेतृत्व संकट के बीच कांग्रेस सरकार ने तीन साल पूरे किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार ने बुधवार को अपने कार्यकाल के तीन वर्ष पूरे किए, लेकिन यह जश्न नेतृत्व को लेकर उलझन के बीच फीका पड़ गया। मुख्यमंत्री बदलने की संभावित चर्चा ने सरकार की उपलब्धियों को पीछे छोड़ दिया और पार्टी के भीतर सत्ता संघर्ष को और तेज कर दिया। पार्टी के भीतर इस बात की प्रबल संभावनाएं हैं कि कांग्रेस आलाकमान जल्द ही नेतृत्व परिवर्तन और राज्य मंत्रिमंडल में बहुप्रतीक्षित फेरबदल पर निर्णय ले सकता है, विशेष रूप से इसलिए क्योंकि केरल में सरकार गठन की प्रक्रिया अब पूरी हो चुकी है।

इस बात की अधिक संभावना है कि कांग्रेस आलाकमान जल्द ही मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री तथा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डी के शिवकुमार को नयी दिल्ली बुलाकर मुख्यमंत्री पद को लेकर जारी कथित संघर्ष पर सौहार्दपूर्ण तरीके से चर्चा कर समाधान निकाल सकता है। दरअसल, सरकार ने अपने तीन साल पूरे होने की पूर्व संध्या पर मंगलवार को एक भव्य 'साधना समावेश' (उपलब्धियों का सम्मेलन) का आयोजन किया था, ताकि अपनी उपलब्धियों को जनता के सामने रखा जा सके।

इस कार्यक्रम में सिद्दरामय्या ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा, विकास का 'गुजरात मॉडल' खोखला था, जबकि कल्याणकारी योजनाओं पर आधारित 'कर्नाटक मॉडल' अधिक बेहतर है। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी सरकार ने 1.40 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कल्याणकारी गारंटी योजनायें लागू की हैं, साथ ही विकास कार्य और व्यवस्थागत सुधार भी किए हैं। उन्होंने तुमकुरु जिले में 682 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया।

हालांकि, हाल ही में दो विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनाव में मिली जीत ने सत्तारूढ़ पार्टी को बड़ी राहत दी, लेकिन अंदरूनी गुटबाजी ने इस उपलब्धि के रंग में भंग डाल दिया। मुस्लिम समुदाय में असंतोष सामने आने के बाद, पार्टी के कुछ मुस्लिम नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की गई, जिन्हें सिद्दरामय्या का करीबी माना जाता है। उन पर आरोप था कि उन्होंने दावणगेरे दक्षिण में आधिकारिक उम्मीदवार के खिलाफ काम किया। यहां तक कि जब सिद्दरामय्या ने देवराज उर्स का रिकॉर्ड तोड़ते हुए राज्य के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने का रिकॉर्ड बनाया और 17 बार राज्य का बजट पेश कर एक और उपलब्धि हासिल की, तब भी उनके कार्यकाल की स्थिरता को लेकर उठते सवालों ने इन उपलब्धियों पर पानी फेर दिया। शिवकुमार के समर्थक लगातार उन्हें मुख्यमंत्री बनाने की मांग कर रहे हैं और वे इसके लिए सिद्दरामय्या के साथ हुए उस कथित सत्ता-साझेदारी समझौते का हवाला दे रहे हैं, जिसके बारे में दावा किया जा रहा है कि यह 2023 के विधानसभा चुनावों में पार्टी की जीत के समय हुआ था।

सत्तारूढ़ दल के भीतर नेतृत्व को लेकर खींचतान उस समय और तेज हो गई, जब 20 नवंबर 2025 को कांग्रेस सरकार द्वारा अपने पांच साल के कार्यकाल का आधा समय (ढाई साल) पूरा करने के बाद मुख्यमंत्री पद पर संभावित बदलाव को लेकर अटकलें तेज हो गईं। इन अटकलों को 2023 में सरकार गठन के समय सिद्दरामय्या और शिवकुमार के बीच हुए कथित सत्ता-साझेदारी समझौते की खबरों से और हवा मिली।

हालांकि, सिद्दरामय्या कई बार यह कह चुके हैं कि वह पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे, लेकिन साथ ही उन्होंने यह भी कहा है कि वह पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के फैसले का पालन करेंगे। वहीं, शिवकुमार ने भी लगातार यही रुख अपनाया है कि वह कांग्रेस नेतृत्व के निर्णय के अनुसार चलेंगे और समय ही बताएगा कि मुख्यमंत्री पद के मुद्दे का क्या परिणाम निकलता है।

पार्टी के एक नेता के अनुसार, नेतृत्व परिवर्तन का फैसला अचानक नहीं लिया जाएगा। केंद्रीय नेतृत्व विभिन्न पहलुओं को देखते हुए और पार्टी के अलग-अलग वर्गों से विचार-विमर्श करके इस पर निर्णय ले सकता है, ठीक वैसे ही जैसे केरल में मुख्यमंत्री चयन के समय प्रक्रिया अपनाई गई थी। नेतृत्व यह भी आकलन करेगा कि दोनों नेताओं का पार्टी और जनता के बीच कितना प्रभाव और समर्थन है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, जहां सिद्दरामय्या मंत्रिमंडल में फेरबदल के पक्ष में हैं, वहीं शिवकुमार चाहते हैं कि पार्टी पहले नेतृत्व के मुद्दे पर निर्णय ले।

पार्टी सूत्रों का कहना है कि यदि कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व मंत्रिमंडल में फेरबदल को मंजूरी देता है, तो इसका यह संकेत माना जाएगा कि मौजूदा मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या पांच साल का अपना कार्यकाल पूरा करेंगे, जिससे शिवकुमार के मुख्यमंत्री बनने की उम्मीदों पर पानी फिर सकता है।

पार्टी के कई नेताओं ने चिंता जताई है कि नेतृत्व को लेकर चल रहा विवाद शासन-प्रशासन को प्रभावित कर रहा है और कांग्रेस सरकार की छवि को नुकसान पहुंचा रहा है। उन्होंने खुलकर मांग की है कि केंद्रीय नेतृत्व इस मुद्दे का समाधान पार्टी के 2028 के विधानसभा चुनावों में संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए जल्द करे।

सोमवार को मंत्री के. जे. जॉर्ज के आवास पर मल्लिकार्जुन खरगे, सिद्दरामय्या और डी. के. शिवकुमार के बीच हुई बैठक के बाद इस बात की अटकलें प्रबल हो गई हैं कि आने वाले दिनों में नेतृत्व को लेकर चर्चाएं और अधिक तेज हो सकती हैं।

कर्नाटक में सफारी के लिए अब खुले वाहनों का और इस्तेमाल न किया जाए : मंत्री खंड्रे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के वन, पारिस्थितिकी और पर्यावरण मंत्री ईश्वर खंड्रे ने बुधवार को अधिकारियों को राज्य के पांच बाघ संरक्षित क्षेत्रों और वन्यजीव अभयारण्यों में सफारी संचालन के लिए खुले कैंपर वाहनों के स्थान पर सुरक्षित बसों के इस्तेमाल का निर्देश दिया। कोडागु जिले के डुबारे में 18 मई को दो प्रशिक्षित हाथियों के बीच संघर्ष के दौरान एक महिला पर्यटक की जान चली गयी थी। इस घटना के मद्देनजर मंत्री ने मुख्य वन्यजीव संरक्षक को सफारियों में पर्यटक सुरक्षा को शीर्ष प्राथमिकता देने के लिए स्पष्ट निर्देश जारी किये हैं।

अधिकारियों के अनुसार, बांदीपुर बाघ संरक्षित क्षेत्र, नागरहोल बाघ संरक्षित क्षेत्र, काली, बिलिगिरिरंगना हिल्स और भद्रा बाघ संरक्षित क्षेत्र समेत राज्य के विभिन्न बाघ संरक्षित क्षेत्रों और वन्यजीव अभयारण्यों के साथ-साथ मलाई महादेश्वर हिल्स, दांडेली और के गुड़ी जैसे वन क्षेत्रों में सफारी का संचालन किया जाता है। ये स्थान न केवल राज्य के विभिन्न हिस्सों से बल्कि देश-विदेश से भी पर्यटकों और वन्यजीव प्रेमियों को आकर्षित करते हैं।

मंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में खंड्रे ने कहा कि सौभाग्य से, सफारी क्षेत्रों में अभी तक ऐसी कोई घटना नहीं हुई है जहां हाथियों या बाघों जैसे जंगली जानवरों ने सफारी वाहनों पर हमला करके जनक्षति पहुंचायी हो। हालांकि, उन्होंने ऐसी किसी भी दुर्भाग्यपूर्ण घटना के होने से पहले एहतियाती उपाय करने की आवश्यकता पर बल दिया।

खंड्रे ने निर्देश दिया है कि पर्यटकों की सुरक्षा के लिए सफारी में इस्तेमाल होने वाले खुले कैंपर वाहनों के स्थान पर पूरी तरह से सुरक्षित बसों का लाया जाए। मंत्री का कहना था कि मौजूदा कैंपरों में लोहे की ग्रिल लगाया जाए या ऐसा मजबूत शीशा लगाया जाए जो न टूटे। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि पर्यटकों को वन क्षेत्रों के अंदर कदम रखने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

खरीददार के वेश में ठग तीन करोड़ रुपए के आभूषण लेकर चंपत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु में थोक खरीददार बनकर एक स्वर्ण आभूषण कंपनी से कथित तौर पर धोखाधड़ी कर करीब तीन करोड़ रुपये मूल्य के आभूषण लेकर फरार होने के आरोप में तीन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, मल्लेश्वरम में 16 मई को हुई यह घटना सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हुई है। मेहता गोल्ड प्राइवेट लिमिटेड के बिक्री प्रबंधक द्वारा दायर शिकायत के अनुसार, अपने वरिष्ठ सहयोगी के निर्देशों पर वह और एक अन्य कर्मचारी लगभग तीन किलोग्राम सोने के आभूषणों के नमूने परेश सोनी के कार्यालय में ले गए।

शिकायत के अनुसार, सोनी ने खुद को आभूषण खरीदने में रुचि रखने वाले एक थोक व्यापारी के रूप में पेश किया था। साथ ही उसने अपने कार्यालय में उन्हें श्याम और चंद्रशेखर राव नाम के दो अन्य व्यक्तियों से मिलवाया था। सोनी ने अपनी पसंद के करीब एक किलोग्राम और 850 ग्राम तोल के गहने चुने और इसके बाद उनकी सूची बनाने और उनके डिजाइन के फोटो खींचने के लिए उन्हें समीप के केबिन में राव को सौंप दिया। शिकायतकर्ता के आरोपों के मुताबिक, राव आभूषण लेकर फरार हो गया जबकि श्याम भी उसे वापस लाने की बात कहकर वहां से चला गया। प्राथमिकी में कहा गया है कि आरोपियों ने चोरी करने की नीयत से यह नाटक किया और फिर आभूषण चुराकर फरार हो गए। चोरी किए गए आभूषणों की कीमत करीब तीन करोड़ रुपये आंकी गई है। इस संबंध में मल्लेश्वरम थाने में सोनी, राव और श्याम के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार करने के प्रयास जारी हैं।

बेंगलूरु में 35 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त, आठ गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु शहर के विभिन्न हिस्सों में मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप में तीन विदेशी नागरिकों सहित आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इन लोगों से दो कार के अलावा 17.5 किलोग्राम एमडीएमए (एक प्रकार का मादक पदार्थ) बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, बरामद मादक पदार्थ की कीमत करीब 35 करोड़ रुपये है। यह कार्रवाई 11 मई को मिली गोपनीय सूचना के आधार पर हेब्बाल थाना पुलिस के अधिकारियों द्वारा शुरू की गई थी। पुलिस ने बताया कि तलाशी अभियान के बाद आनंदनगर इलाके से एक महिला समेत तीन लोगों को हिरासत में लिया गया।

उसने बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपियों ने कबूल किया कि उन्होंने दिल्ली में एक व्यक्ति से एमडीएमए खरीदा था और इसे बेंगलूरु में ऊंचे दामों पर बेच रहे थे। पुलिस ने कहा कि आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां उन्हें 10 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सुराग के आधार पर हरियाणा तथा दिल्ली से चार और लोगों को गिरफ्तार किया गया। अधिकारी ने बताया कि बाद में गिरफ्तार किए गए चार लोगों में तीन विदेशी नागरिक हैं, जिनमें दो महिलाएं हैं। इन चारों आरोपियों को 17 मई को स्थानीय अदालत में पेश किया गया, जिसके बाद पुलिस 'ट्रांजिट वारंट' हासिल कर उन्हें बेंगलूरु लाई। यहां अदालत ने उन्हें 10 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। अधिकारी ने बताया कि पूछताछ के दौरान पुलिस को इस गिरोह में एक और व्यक्ति के शामिल होने का पता चला जिसे 18 मई को हिरासत में लिया गया। उन्होंने कहा, इस मामले में शामिल कुछ अन्य लोग अभी फरार हैं और उन्हें पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

बिहार के छात्र ने आत्महत्या की, परिवार का कोचिंग अकादमी पर मानसिक उत्पीड़न का आरोप

बेंगलूरु। बेंगलूरु में पढ़ाई में खराब प्रदर्शन की वजह से कक्षा में मानसिक उत्पीड़न और अपमान से परेशान एक निजी कोचिंग अकादमी के 23 वर्षीय छात्र ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मृतक की पहचान बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के बेरेवा गांव के निवासी चुन्नू कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि कुमार के साथ कमरे में रहने वाले छात्र ने 18 मई को अकादमी के छात्रावास में खिड़की से उसका शव लटका हुआ देखा। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कुमार के पिता की ओर से मिली शिकायत के आधार पर कोथानुर थाने में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। प्राथमिकी के अनुसार कुमार ने मार्च में निजी अकादमी में बैंकिंग कोचिंग पाठ्यक्रम में दाखिला लिया था। पुलिस के अनुसार 18 मई को छात्रावास के प्रभारी ने कुमार के पिता को फोन करके बताया कि उनके बेटे ने आत्महत्या कर ली है और वह तुरंत वहां पहुंचे।

खरगे ने सिद्दरामय्या और शिवकुमार के साथ बैठक की

बेंगलूरु। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने कर्नाटक में नेतृत्व के मुद्दे को लेकर नयी अटकलों के बीच राज्य के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के साथ चर्चा की। पार्टी सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, खरगे, सिद्दरामय्या, शिवकुमार और वरिष्ठ नेताओं ने सोमवार को तिरुवनंतपुरम से बेंगलूरु तक एक साथ यात्रा की, जिसके बाद राज्य के ऊर्जा मंत्री केजे जॉर्ज के आवास पर चर्चा की गई। सिद्दरामय्या और शिवकुमार के बीच सत्ता संघर्ष की खबरें बार-बार सामने आती रही हैं।

ई-फार्मेसी के विरुद्ध आहूत हड़ताल का कर्नाटक में मिला-जुला असर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। ऑल इंडिया केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन (एआईओसीडी) द्वारा ई-फार्मेसियों के खिलाफ बुधवार को आहूत देशव्यापी हड़ताल का कर्नाटक में मिला-जुला असर देखने को मिला। राज्य के कई जिलों में कुछ दवा दुकानें बंद रहीं, तो कुछ ने अपनी सेवाएं पूर्ववत जारी रखीं। यह बंद ऑनलाइन फार्मेसियों और औषधि एवं सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम के तहत नियामक मानदंडों के कथित उल्लंघन के खिलाफ एआईओसीडी द्वारा आहूत बंद का हिस्सा था। बेंगलूरु में बंद के समर्थन में कई दवा दुकानें बंद रहीं, जबकि कुछेक ने ग्राहकों को सामान्य सेवाएं देना जारी रखा। शहर के हलासुरु और कुछ अन्य इलाकों में मेडिकल दुकानें सामान्य रूप से काम करती रहीं।

हलासुरु इलाके में स्थित पूजा मेडिकल्स के एक कर्मचारी ने कहा कि उनका कामकाज सामान्य रूप से चल रहा है और उन्हें अपने संबंधित संगठन से हड़ताल के बारे में कोई सूचना नहीं मिली है।

हालांकि, इस हड़ताल में दक्षिण कन्नड़, उडुपी, गडग, तुमकुरु, बागलकोट और शिवमोग्गा जैसे जिलों में भी भागीदारी देखी गई, जहां कई दवा दुकानें दिन भर बंद रहीं। मैसूरु में कुछ दवा विक्रेताओं ने विरोध के प्रतीक के रूप में काली पट्टियां बांधकर अपनी दुकानें खोलीं। हालांकि, बृहत बेंगलूरु केमिस्ट्स एवं ड्रगिस्ट एसोसिएशन (बीबीसीडीए) ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि वह बंद में भाग नहीं लेगा और उससे संबद्ध दवा दुकानें जनहित में खुली रहेंगी।

एक बयान में कहा गया था, बीस मई को कोई बंद नहीं रहेगा और दुकानें सामान्य रूप से खुली रहेंगी। सभी दवा दुकानें जनता को सेवाएं प्रदान करने के लिए खुली रहेंगी। हालांकि, कर्नाटक केमिस्ट्स एवं ड्रगिस्ट एसोसिएशन (केसीडीए) के अध्यक्ष आर रघुनाथ रेड्डी ने दावा किया कि कुछ दवा दुकानों को छोड़कर, राज्य भर के कई केमिस्ट ने हड़ताल में भाग लिया है। उन्होंने कहा कि ई-फार्मेसियों द्वारा औषधि एवं सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम के बार-बार उल्लंघन के कारण विरोध प्रदर्शन अपरिहार्य हो गया है। रेड्डी ने कहा, अधिनियम के तहत ऑनलाइन फार्मेसियों के माध्यम से बिक्री की अनुमति नहीं है। हमारे पास उच्च न्यायालय के आदेश भी हैं, लेकिन उनका पालन नहीं किया जा रहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि ई-फार्मेसियां ङ्क्षङ्कभारी छूट दे रही हैं, जिससे 16 से 20 प्रतिशत के निर्धारित 'मार्जिन' (मुनाफा) ढांचे में गड़बड़ी हो रही है और छोटे खुदरा विक्रेताओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

न्यायालय ने बेंगलूरु नगर निकाय चुनाव के लिए समसयसीमा 31 अगस्त तक बढ़ाई

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बेंगलूरु नगर निकाय चुनाव कराने के लिए बुधवार को समयसीमा 31 अगस्त तक बढ़ा दी, जो काफी समय से लंबित है। बृहत बेंगलूरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) के पूर्व निर्वाचित निकाय का कार्यकाल 10 सितंबर, 2020 को समाप्त हो गया था और तब से सरकार द्वारा नियुक्त एक प्रशासक इसके दैनिक कार्य देख रहा है।शीर्ष अदालत ने 12 जनवरी को कर्नाटक सरकार और राज्य निर्वाचन आयोग को बेंगलूरु नगर निकाय का चुनाव 30 जून तक कराने का निर्देश दिया था। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने बुधवार को समयसीमा 31 अगस्त तक बढ़ा दी और स्पष्ट किया कि इसके बाद समय नहीं बढ़ाया जाएगा। कर्नाटक सरकार की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी द्वारा जनगणना कार्य और राज्य में मतदाता सूची के आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के कारण श्रमशक्ति की कमी का हवाला दिए जाने के बाद यह आदेश पारित किया गया। उन्होंने पीठ से आग्रह किया कि चुनाव कराने के लिए समय दो-तीन महीने बढ़ाया जाए। सिंघवी ने कहा कि बजट आवंटन भी हो चुका है लेकिन श्रमशक्ति की कमी रहेगी। पीठ ने समय बढ़ाते हुए कहा, आप जाइए और काम शुरू कीजिए। उच्चतम न्यायालय ने 12 जनवरी को कहा था कि राज्य सरकार द्वारा वार्डवार आरक्षण की अंतिम सूची 20 फरवरी तक प्रकाशित की जाएगी।

मुलाकात

गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत (दाएं) कर्नाटक के बेंगलूरु में आर्ट ऑफ़ लिविंग फ़ाउंडेशन के अपने दौरे के दौरान आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर से बातचीत करते हुए।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने 40 नए वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने चिकित्सा एवं ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा निदेशालय के लिए 2.90 करोड़ रुपए की लागत से खरीदे गए 40 नए वाहनों को बुधवार को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री ने राज्य सचिवालय में आयोजित एक समारोह में चालकों को वाहनों की चाबियां सौंपी और आधिकारिक तौर पर उनका संचालन शुरू किया। बेड़े में शामिल नए वाहनों को सरकारी और निजी अस्पतालों की निगरानी का काम सौंपा गया है ताकि गर्भाधान-पूर्व एवं प्रसव-पूर्व निदान तकनीक अधिनियम, 1994 कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना सं: Y/E.29/2026-27/21
दिनांक: 14.05.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
1) मैसूरु मंडल कार्यालय और गति शक्ति कार्यालय, मैसूरु में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जर्स की व्यवस्था। 2) मैसूरु मंडल के सेवा भवनों में नॉन-इन्वर्टर प्रकार के एसी प्लांट्स को हटाकर, ऊर्जा-कुशल इन्वर्टर-आधारित 5-स्टार रेटेड एसी प्लांट्स लगाना।	रु. 39,02,234.29

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 04.06.2026, 11:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
वरिष्ठ विभागीय इलेक्ट्रिकल इंजीनियर सामान्य/मैसूरु
PUB/130/AAF/PRB/SWR/2026-27
आसान टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए RailOne ऐप डाउनलोड करें।
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. बी/टीआरडी.2026-27/06 दिनांक: 15.05.2026 का प्रकाशन

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं।

कार्य की मद	अनुमानित मूल्य
सोमनायक्कनपट्टी, यशवंतपुर, हिंदूपुर, गौरीबिदनूर, रंगेपल्लि, श्री सत्य साईं प्रशांति निलयम, बसंपल्लि और मक्काजिपल्लि स्टेशनों पर अम्ब्रेला स्ट्रक्चर्स के प्रारंभिक सेक्शन का द्विभाजन और सुधार।	रु. 91,03,534.98/-

निविदाएँ जमा करने की अंतिम तिथि 05.06.2026 को 15:00 बजे तक
विस्तृत विवरणों के लिए लॉग ऑन करें : www.ireps.gov.in
वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/टीआरडी, बेंगलुरू
PUB/134/AAD360/PRB/SWR/2026-27
टिकट की आसान बुकिंग, पीएनआर स्थिति की जांच और अन्य रेलवे सेवाओं की जानकारी के लिए रेलवन एप डाउनलोड करें
South Western Railway-SWR SWRRLY @SWRAILWAYHQ @sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-प्रोक्यूअरमेंट (आईआरईपीएस)
निविदा सूचना सं: HE-01-2026-27

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं (आईआरईपीएस) आमंत्रित करते हैं:

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
1	उप कार्य-1: लोंडा पर प्रस्तावित 12 यूनिट टाइप-2 कर्मचारी गृहों का निर्माण के लिए विद्युत की व्यवस्था। उप कार्य-2: हुबली पर रेलवे केंद्रीय आस्पताल में प्रस्तावित पुरुष और महिलाओं का हॉस्टल और महिला डॉक्टरों के लिए डॉर्मिटरी का निर्माण के तहत विद्युत की व्यवस्था। उप कार्य-3: गदग पर एसएसई/ई/एम डिपो पर प्रस्तावित नई कार्यालय बिल्डिंग का निर्माण के लिए विद्युत की व्यवस्था। उप कार्य-4: कैसल रॉक, दूधसागर और कुलेम घाट विभागों पर वर्कमेन शेडों का प्रावधान के लिए विद्युत की व्यवस्था।	रु. 81,08,831.24
2	हुबली विभाग पर कोप्पल स्टेशन में कनेक्टेड लोड का बढ़े हुए कनेक्टेड लोड का प्रभाव तहत सब-स्टेशन का सामर्थ्य को 160 केवीए से 315 केवीए तक बढ़ाना।	रु. 61,39,128.70

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 12.06.2026, 11:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
वरिष्ठ विभागीय विद्युत इंजीनियर/सामान्य हुबली
PUB/129/AAF/PRB/SWR/2026-27
आसान टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए RailOne ऐप डाउनलोड करें।
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. वाई/ई-29/2026-27/22 दिनांक 15.05.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं।

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनुमानित मूल्य
1.	हासन-मंगलुरू सेक्शनः एचएमआरडीसी सेक्शन के तहत पुरानी ओवरहैड लाइन और खराब यूजी केबल को बदलना और पम्पिंग व्यवस्थाएं करना।	रु. 42,52,691.45/-

निविदाएँ जमा करने की अंतिम तिथि 05.06.2026 को 11.00 बजे तक
विस्तृत विवरणों के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in
वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सामान्य/मैसूर
PUB/138/AAD360/PRB/SWR/2026-27
टिकट की आसान बुकिंग, पीएनआर स्थिति की जांच और अन्य रेलवे सेवाओं की जानकारी के लिए रेलवन एप डाउनलोड करें
South Western Railway-SWR SWRRLY @SWRAILWAYHQ @sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. 14/एमवाईएस/2026 दिनांक 15.05.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं।

क्र.सं	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
1	उप-कार्य-1: बिरूर-चिकजाजुर सेक्शनःएनवीपी-अज्जमपुरा स्टेशनों के बीच किमी 227/400-500 पर 1X3.0X2.5एमआरसीसी बॉक्स स्पैन वाले पैदल यात्री सबवे का निर्माण। क) बिरूर-चिकजाजुर सेक्शनःएनवीपी-अज्जमपुरा स्टेशनों के बीच किमी. 227/400-500 पर 1X30बीX2.5एमआरसीसी बॉक्स स्पैन वाले पैदल यात्री सबवे का निर्माण। ख) एनवीपी-अज्जमपुरा स्टेशनों के बीच किमी. 227/400-500 पर 1X3.0X2.5एमआरसीसी बॉक्स स्पैन वाले पैदल यात्री सबवे के लिए आरसीसी बॉक्स सेगमेंट को लॉन्च करना। उप-कार्य-2: चिकजाजुर-करजगी सेक्शनः दावणगेरे-अमरावती कॉलोनी स्टेशनों के बीच किमी. 326/900-327/000 पर 1X3.0X2.5एमआरसीसी बॉक्स स्पैन वाले पैदल यात्री सबवे का निर्माण। क) चिकजाजुर-करजगी सेक्शनः दावणगेरे-अमरावती कॉलोनी स्टेशनों के बीच किमी 326/900-327/000 पर 1X30X2.5 एमआरसीसी बॉक्स स्पैन वाले पैदल यात्री सबवे का निर्माण। ख) एसडब्ल्यू-2: दावणगेरे-अमरावती कॉलोनी स्टेशनों के बीच किमी 326/900-327/000 पर 1X3.0X2.5एमआरसीसी बॉक्स स्पैन वाले पैदल यात्री सबवे के लिए आरसीसी बॉक्स सेगमेंट को लॉन्च करना। उप-कार्य-3 :चिकजाजुर-करजगी सेक्शनःटीएचएन-दावणगेरे स्टेशनों के बीच किमी 316/100-200 पर 1X3.0X2.5एमआरसीसी बॉक्स स्पैन वाले पैदल यात्री सबवे का निर्माण। क) जेआरयू-केजेजी सेक्शनःटीएचएन-दावणगेरे स्टेशनों के बीच किमी. 316/100-200 पर 1X3.0X2.5एमआरसीसी बॉक्स स्पैन वाले पैदल यात्री सबवे का निर्माण, ख) टीएचएन-दावणगेरे स्टेशनों के बीच किमी. 316/100-200 पर 1X3.0X2.5एमआरसीसी बॉक्स स्पैन वाले पैदल यात्री सबवे के लिए आरसीसी बॉक्स सेगमेंट को लॉन्च करना।	71331207
2	उप-कार्य-1: दावणगेरेः दावणगेरे में जर्जर क्वार्टर टाइप-2 संख्या 8/ए-डी, 11, 33/ए-बी, 43, 46/ए-बी, और 52/ए-बी के स्थान पर 12 स्टाफ क्वार्टरों का पुनर्निर्माण। उप-कार्य-2: हरिहरः हरिहर स्टेशन पर जर्जर क्वार्टर टाइप-2 संख्या 8/ए-डी, 11, 18/ए-सी 20/ए-बी, 34/ए-बी के स्थान पर 12 स्टाफ क्वार्टरों (टाइप-2) का पुनर्निर्माण।	57981676
3	उप-कार्य-1: सासलू में नए सीजीएसआर कार्यालय, तथा नहाने, शौचालय और पीने के पानी की सुविधा सहित एक श्रमिक विश्राम कक्ष का प्रावधान। उप-कार्य-2: चिकजाजुरः चिकजाजुर रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म संख्या 4 को ऊंचे स्तर तक उठाना।	16551165
4	हरनहल्ली (हाल्ट): प्लेटफॉर्म संख्या 1 का 470 मीटर तक विस्तार, प्लेटफॉर्म को ऊंचे स्तर तक उठाना और यात्रियों के लिए अन्य सुविधाओं का प्रावधान।	13769904
5	उप-कार्य-1: अर्सीकेरे रेलवे स्टेशन पर 2.50 लाख लीटर क्षमता वाली एक ओवरहैड टंकी और 1.00 लाख लीटर क्षमता वाली एक जीएलआर टंकी का निर्माण। उप-कार्य-2: हासन रेलवे स्टेशन पर 1.00 लाख लीटर क्षमता वाली एक ओवरहैड टंकी का निर्माण।	12828413
6	उप-कार्य-1: अमरावती कॉलोनी-कोट्टूरू खंडः हरपनहल्ली-तेलगि स्टेशनों के बीच किमी 112/300-400 पर स्थित एलसीनं. 63 को एक सब-वे के निर्माण द्वारा समाप्त करना। उप-कार्य-2: हरपनहल्ली-तेलगि स्टेशनों के बीच किमी 112/300-400 पर स्थित एलसी नं. 63 को समाप्त करने हेतु सब-वे के निर्माण के लिए आरसीसी बॉक्स सेगमेंट स्थापित करना।	58372178

निविदाएँ जमा करने की अंतिम तिथि : 08.06.2026 को 11.00 बजे तक
विस्तृत विवरणों के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in
वरिष्ठ मंडल अभियंता/समन्वयन/मैसूर
PUB/137/AAD360/PRB/SWR/2026-27
टिकट की आसान बुकिंग, पीएनआर स्थिति की जांच और अन्य रेलवे सेवाओं की जानकारी के लिए रेलवन एप डाउनलोड करें
South Western Railway - SWR SWRRLY @SWRAILWAYHQ @sw_railways

सहकारिता मंत्री की प्रेरणा से प्रदेश भर में प्रारम्भ हुआ 'परिन्डा बांधो अभियान'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने बुधवार को राजस्थान राज्य सहकारी बैंक (अपेक्स बैंक) परिसर में परिन्डा बांधकर विभाग द्वारा प्रारम्भ किये गए 'परिन्डा बांधो अभियान' का शुभारम्भ किया। भीषण गर्मी में बेजुबान पशु-पक्षियों को राहत देने के लिए सहकारिता मंत्री की प्रेरणा से सहकारिता विभाग ने यह अभियान शुरू किया है। अभियान के अंतर्गत विभागीय कार्यालयों, शीर्ष एवं केन्द्रीय सहकारी संस्थाओं, सहकारी बैंक शाखाओं, केवीएसएस तथा ग्राम सेवा सहकारी समितियों के परिसरों, भवनों की छतों, वृक्षों की शाखाओं एवं सुरक्षित छायादार स्थानों पर मिट्टी के परिंडे व जल पात्र लगाए जाएंगे। साथ ही, पक्षियों के लिए चुग्गे की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी। अभियान के अंतर्गत सहकारिता विभाग के शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां डॉ. समित शर्मा ने बुधवार को शासन सचिवालय एवं नेहरू सहकार भवन में विभागीय व सहकारी संस्थाओं के अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ परिंडे बांधे। शासन सचिव ने कहा कि सहकारिता विभाग अपने विस्तृत नेटवर्क के माध्यम से इस अभियान को जन-आन्दोलन का स्वरूप देगा। उन्होंने निर्देश दिए कि लगाए गए परिन्डों एवं जल पात्रों की प्रतिदिन नियमित सफाई की जाए तथा उनमें स्वच्छ पेयजल भरा जाए। जल को प्रतिदिन बदला जाए ताकि जल दूषित न हो और मच्छरों अथवा जलजनित बीमारियों की आशंका न रहे। साथ ही, चुग्गा पात्रों में भी नियमित रूप से दाना डालने की व्यवस्था की जाए।

विभाग ने जनप्रतिनिधियों, भामाशाहों, स्वयंसेवी संस्थाओं तथा आमजन से भी इस पुण्य कार्य में सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया है। अभियान के अंतर्गत सहकारी समितियों से जुड़े किसानों, पशुपालकों एवं नागरिकों को अपने घरों, खेतों एवं सार्वजनिक स्थलों पर परिंडे बांधने और जल पात्र रखने के लिए प्रेरित किया जाएगा। अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए सोशल मीडिया, स्थानीय मीडिया एवं जनसंपर्क माध्यमों का उपयोग किया जाएगा।

शासन सचिव ने कहा कि भारतीय संविधान के अनुसार प्राकृतिक पर्यावरण एवं जीव-जंतुओं का संरक्षण प्रत्येक नागरिक का मूल कर्तव्य है। राजस्थान की सांस्कृतिक परम्पराएं भी जीव-दया, करुणा एवं पर्यावरण संरक्षण की भावना को प्रोत्साहित करती हैं। ऐसे में सहकारिता विभाग का यह अभियान केवल मूक पशु-पक्षियों को राहत पहुंचाने तक सीमित नहीं है बल्कि समाज में संवेदनशीलता, करुणा एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण पहल है।

राजस्थान के शिक्षा नवाचारों पर नीति आयोग ने लगाई मोहर

जयपुर। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में शिक्षा क्षेत्र में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में किए गए स्वास्थ्य निगरानी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित नवाचारों को राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी पहचान मिली है। नीति आयोग ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट 'स्कूल एजुकेशन सिस्टम इन इंडिया-टेम्पोरल एनालिसिस एण्ड पॉलिसी रौडमेप फॉर क्वालिटी इन्हेंसमेंट' में राजस्थान के 'शाला स्वास्थ्य परीक्षण अभियान' एवं मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान के एआई आधारित मूल्यांकन प्रणाली को 'गुड स्टेट प्रैक्टिसेज' के रूप में उल्लेखित किया गया है।

नीति आयोग ने इस रिपोर्ट में राजस्थान द्वारा विद्यार्थियों के स्वास्थ्य परीक्षण, पोषण, फिटनेस एवं स्वास्थ्य निगरानी के लिए विकसित तकनीक आधारित मॉडल की सराहना की है। रिपोर्ट के अनुसार राज्य में 75 लाख से अधिक विद्यार्थियों की 70 से अधिक स्वास्थ्य मानकों पर स्क्रीनिंग की गई। इसके तहत विद्यार्थियों की दृष्टि, श्रवण क्षमता, पोषण स्तर, दंत स्वास्थ्य व शारीरिक फिटनेस सहित विभिन्न पहलुओं की जांच एवं मोबाइल ऐप आधारित फॉलो-अप प्रणाली विकसित की गई। नीति आयोग ने इस नवाचार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप शिक्षा प्रणाली में स्वास्थ्य एवं पोषण को अहम हिस्सा बनाने की दिशा में प्रभावी कदम बताया है।

जयपुर में शीघ्र शुरू होगी सहकारी मॉडल पर आधारित 'भारत टैक्सी' सेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि सहकारी मॉडल पर आधारित भारत की पहली टैक्सी सेवा 'भारत टैक्सी' का शीघ्र ही जयपुर में भी शुभारंभ होगा। यह सेवा आमजन को किफायती और सुरक्षित परिवहन का विकल्प उपलब्ध कराएगी। साथ ही, 'सहकार से समृद्धि' की संकल्पना को साकार करते हुए सारथियों (चालकों) की आर्थिक उन्नति का आधार भी बनेगी।

सहकारिता मंत्री बुधवार को अपेक्स बैंक सभागार में भारत टैक्सी संवाद कार्यक्रम के अंतर्गत सारथियों (चालकों) को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि दिल्ली, लखनऊ, मुम्बई और चण्डीगढ़ के बाद अब जयपुर सहित अन्य शहरों में शीघ्र भारत टैक्सी सेवा शुरू होने जा रही है। जयपुर में जून माह के प्रथम सप्ताह में इस सेवा की शुरूआत प्रस्तावित है। उन्होंने कहा कि भारत टैक्सी एक ऐसी अनूठी सेवा है, जिसमें मालिक कोई बाहरी व्यक्ति या कम्पनी नहीं होकर स्वयं टैक्सी चलाने वाले सारथी हैं। यह सेवा स्वामित्व, सुरक्षा कवच, सम्मान और लाभांश का समान वितरण के चार मूल विचारों पर आधारित है। इसमें टैक्सी चलाने वाला सारथी ही कंपनी का वास्तविक मालिक होगा।

दक ने कहा कि भारत टैक्सी में किसी भी सारथी का अकाउंट बिना सुनवाई के बंद नहीं किया जाएगा। भारत टैक्सी से सारथियों को हिडन चार्जेज से भी मुक्ति मिलेगी। सारथियों को विकल्प उपलब्ध होने से निजी कम्पनियों की मनमानी पर अंकुश लगेगा। इस प्रकार, सहकार टैक्सी सारथियों के जीवन, आत्मविश्वास और आर्थिक स्थिति में परिवर्तनकारी सिद्ध होगी। सहकारिता मंत्री ने सारथियों से आह्वान किया कि वे अन्य चालकों को भी इसके फायदों की जानकारी देकर अधिक से अधिक संख्या में उन्हें भारत टैक्सी के साथ जोड़ने में अपनी भूमिका निभाएं।

इस अवसर पर सारथियों ने अपने अनुभव एवं सुझाव साझा करते हुए कहा कि वे भारत टैक्सी की शुरूआत का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि निजी कम्पनियों के साथ कार्य करने में उन्हें विभिन्न प्रकार से शोषण का सामना करना पड़ता है और उनकी आमदनी में भी अपेक्षित वृद्धि नहीं हो रही है। सारथियों ने कहा कि यह हर्ष का विषय है कि भारत टैक्सी स्वदेशी सहकारी संस्थाओं द्वारा संचालित होगी, जिससे देश का पैसा देश में ही रहेगा। उन्होंने कहा कि भारत टैक्सी की शुरूआत से उन्हें निजी कम्पनियों के मनमाने सब्सक्रिप्शन चार्जेज से भी मुक्ति मिलेगी। उन्होंने विश्वास दिलाया कि वे भारत टैक्सी के संचालन में राजस्थान को रोल मॉडल के रूप में स्थापित करने में पूरे मनोयोग से अपनी भूमिका निभाएंगे।

दिया कुमारी ने न्यूट्री पुलाव के सैंपल की पकाकर तैयार की हुई रेसिपी का किया स्वाद परीक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उप मुख्यमंत्री तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी ने बुधवार को सचिवालय में निदेशालय समेकित बाल विकास सेवाएं (आईसीडीएस) की ओर से 03 से 06 आयुवर्ग के बच्चों को आँगनबाड़ियों पर कॉन्फेड के माध्यम से दी जाने वाली एचसीएम (हॉट कुक्ड मील) उपमा प्रीमिक्स रेसिपी के स्थान पर न्यूट्री पुलाव प्रीमिक्स के सैंपल को पकाकर तैयार की हुई रेसिपी का स्वाद परीक्षण किया। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने उपमा प्रीमिक्स रेसिपी के स्थान पर राजस्थान की पृष्ठभूमि में उक्त न्यूट्री पुलाव प्रीमिक्स को बच्चों के स्वाद अनुरूप प्रतीत होना बताया। उप मुख्यमंत्री एवं महिला बाल विकास मंत्री ने कॉन्फेड के माध्यम से प्रस्तुत न्यूट्री पुलाव प्रीमिक्स रेसिपी को बच्चों को दिए जाने के लिए विभाग को आवश्यक कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कॉन्फेड को निर्देशित किया कि वर्तमान में आंगनबाड़ियों पर नाश्ते में दिए जा रहे मुरमुरे के स्थान पर भी वर्तमान दरों के अंतर्गत ही अन्य बेहतर पौष्टिक विकल्प प्रस्तुत किये जाएं।

आने वाले दिनों में देश में हो सकती उर्वरकों की कमी : अशोक गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने बुधवार को यूरिया और अन्य उर्वरकों की संभावित किल्लत की चेतावनी देते हुए सरकार से किसानों को इनकी पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने का आग्रह किया। गहलोत ने एक बयान में कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों दोनों को इस मुद्दे पर किसानों में जागरूकता पैदा करने के लिए कदम उठाने चाहिए। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि देश आने वाले समय में यूरिया, डीएपी और अन्य उर्वरकों की भारी कमी का सामना कर सकता है, क्योंकि भारत इनकी आपूर्ति के लिए बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर है और वर्तमान में आयात प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा, जब उर्वरकों की आपूर्ति सामान्य रहती थी तब भी किसानों को लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ता था। संभावित कमी की स्थिति में हालात चिंताजनक हो सकते हैं। गहलोत ने कहा कि सरकार की जिम्मेदारी है कि समय पर उर्वरक उपलब्ध कराए। उन्होंने मांग की कि सरकारें किसानों को जागरूक करें और ऐसे फसलों की खेती को प्रोत्साहित करें जिनमें कम उर्वरक की जरूरत होती है। कांग्रेस नेता ने कहा, इस संकट के समय सरकार जितनी पारदर्शिता से काम करेगी और लोगों को भ्रम में रखने के बजाय स्पष्ट जानकारी देगी, उतना ही सभी के लिए स्थिति से निपटना आसान होगा।

राजस्थान में भीषण गर्मी का दौर जारी रहने का अनुमान

जयपुर। राजस्थान के अधिकतर इलाके भीषण गर्मी की चपेट में हैं और मौसम विभाग के अनुसार, तेज गर्मी का दौर अभी जारी रहेगा। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, राज्य के ज्यादातर भागों में एक सप्ताह तक मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। इस दौरान पश्चिमी राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों में तथा दक्षिणी पूर्वी भागों में कहीं कहीं ऊष्ण रात्रि दर्ज होगी। इसी तरह राज्य के पश्चिमी, उत्तरी व पूर्वी भागों में आगामी तीन से चार दिन 20 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज धूल भरी सतही हवाएं चलेंगी। बुधवार सुबह तक बीते चौबीस घंटे में राज्य में मौसम मुख्यत: शुष्क रहा और कहींकहीं पर ऊष्ण रात्रि दर्ज की गई। इस दौरान चित्तौड़गढ़ में अधिकतम तापमान 46.3 डिग्री सेल्सियस रहा।

राजस्थान में 17 आईपीएस के तबादले, महावर कोटा के नए आईजी

जयपुर। राजस्थान सरकार ने भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 17 अधिकारियों के तबादले किए हैं। इसके तहत आईपीएस हरेंद्र कुमार महावर को कोटा रेंज का नया महानिरीक्षक (आईजी) बनाया गया है। कार्मिक विभाग ने सोमवार देर रात यह आदेश जारी किया। इकसे अनुसार सात जिलों के जिला पुलिस अधीक्षक (एसपी) भी बदले गए हैं। महानिरीक्षक (सीआईडी-सीबी) महावर कोटा के नए आईजी होंगे। पदस्थापन की प्रतीक्षा में चल रहीं आईपीएस के. बी. वंदना को महानिरीक्षक (सीआईडी-क्राइम ब्रांच) पद पर नियुक्त किया गया है। जिन जिलों के पुलिस अधीक्षक बदले गए हैं उनमें चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, डीडवाना-कुचामन, नागौर, टोंक, भरतपुर व दौसा शामिल है।

आवासों को पूरा करने और ग्राउंडिंग में राजस्थान का देश भर में उत्कृष्ट प्रदर्शन, मुख्य सचिव ने जताई प्रसन्नता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत आर्थिक दृष्टि से कमजोर आय वर्ग के परिवारों को पक्के आवास उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इसी कड़ी में बुधवार को शासन सचिवालय में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 हेतु गठित राज्य स्तरीय सैंक्शनिंग एवं मॉनीटरिंग कमेटी

की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश के विभिन्न नगरीय निकायों में 5024 नए आवासों के निर्माण को प्रशासनिक मंजूरी प्रदान की गई। जिसके तहत प्रत्येक लाभार्थी को स्वयं का पक्का आवास निर्माण के लिये 2.50 लाख रूपये की अनुदान राशि मिलेगी। इसमें केन्द्र सरकार की ओर से 1 लाख 50 हजार रूपये के साथ ही राज्य सरकार की ओर से 1 लाख रूपये की अनुदान राशि प्रदान की जायेगी। इसके तहत कुल 125.60 करोड़ की सब्सिडी प्रदान की जावेगी। राज्य सरकार से अनुमोदित किये गये 5024 आवासों की अन्तिम स्वीकृति के लिये केन्द्र सरकार की आगामी 26 मई को आयोजित होने वाली सीएसएमसी बैठक में अन्तिम स्वीकृति मिलेगी। बैठक के दौरान पीएमएवाई-यू एवं कार्यकारी निदेशक हरि मोहन मीनाने बताया कि आवासों की मंजूरी के अतिरिक्त योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु वित्तीय वर्ष 2026-27 में राशि रू. 39.60 करोड़ के क्षमता संवर्धन प्लान का भारत सरकार से अनुमोदन हेतु अभिशंसा की गई।

योजना के तहत केन्द्र सरकार से आवास स्वीकृति, निर्माण कार्य प्रारम्भ करने एवं आवासों को पूर्ण करने के महत्वपूर्ण मापदण्डों में राज्य के देश भर में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर मुख्य सचिव ने संतोष व्यक्त करते हुए अधिकारियों को इस गति को बरकरार रखने और शेष कार्य को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण करने के निर्देश प्रदान किये ।

बैठक में नगरीय विकास विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव,आलोक गुप्ता, पीएचईडी विभाग के प्रमुख शासन सचिव हेमन्त कुमार गेरा, स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव रवि जैन, (वीसी के माध्यम से), वित्त(व्यय) विभाग के संयुक्त सचिव एजाज नबी खान, पीएमएवाई-यू एवंकार्यकारी निदेशक हरि मोहन मीना सहित संबंधित विभाग के विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

जिले के आर्थिक विकास, रोजगार सृजन में पंच गौरव महत्त्वपूर्ण : संदेश नायक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पंच गौरव कार्यक्रम के संरक्षण, संवर्धन एवं विकास के संबंध में जिला कलक्टर संदेश नायक ने बुधवार को कलेक्ट्रेट में बैठक ली। उन्होंने जयपुर जिले की विशिष्ट पाँच पहचान, पंचगौरव एक जिला एक उत्पाद: रत्नाभूषण, एक जिला -एक उपज:आंवला, एक जिला एक वनस्पति प्रजाति: लिसोड़ा, एक जिला-एक खेल: कबड्डी एवं एक जिला एक पर्यटन स्थल: आमेर के संवर्धन, विकास और इससे रोजगार संवर्धन पर विस्तृत समीक्षा की। जिला कलक्टर ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार पंच गौरव के संरक्षण, संवर्धन एवं विकास के लिए संबंधित विभाग पंच गौरव कार्यक्रम के तहत वर्ष 2026-27 में आयोजित की जाने वाली गतिविधियों का कैलेंडर जारी करें।

राज्य सरकार द्वारा आयोजित होने वाले प्रत्येक इवेंट्स, कैम्प, सम्मेलन, कार्यक्रम, समारोह आदि में संबंधित विभागों द्वारा पंच गौरव के हॉर्डिंग्स, स्टैण्डी, बैनर आदि के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया जाये। सरकारी व निजी विद्यालयों में प्रतियोगिताएँ व कार्यक्रम आयोजित कर विद्यार्थियों को पंच गौरव से परिचय करवाते हुए समय-समय पर उनके प्रति उनमें जागरूकता पैदा की जाये।

कलेक्टर ने वन एवं उद्यान विभाग द्वारा लिसोड़ा व आँवले का अधिक से अधिक पौधारोपण कर उनकी सुरक्षा व देखभाल हेतु वृक्ष मित्रों की नियुक्ति के निर्देश दिए। खेल विभाग द्वारा युवाओं को कबड्डी खेल के प्रति आकर्षित करने के उद्देश्य से नियमित रूप से खेल प्रतियोगिताएँ पंचायत, उपखण्ड एवं जिलास्तर पर आयोजित करने, एक जिला एक पर्यटन स्थल आमेर दुर्ग के विकास के लिए बेहतर कनेक्टिविटी, पार्किंग, पेयजल स्वच्छता, साइनेज, बिजली आदि सुविधाओं का विकास कर स्थानीय लोगों को रोजगार प्रदान करने हेतु गाइड का प्रशिक्षण देने, आमेर दुर्ग के इतिहास के संबंध में आम पर्यटकों को जानकारी उपलब्ध कराने हेतु साहित्य का वितरण करने के भी निर्देश दिए।

जिला कलक्टर ने कहा कि एक जिला एक उत्पाद रत्नाभूषण के विकास एवं युवाओं को इस व्यवसाय से जोड़ने के लिए नियमित रूप से कार्यशालाएँ आयोजित की जाएं। उन्होंने ने कहा कि संबंधित विभागों द्वारा जिले के आर्थिक विकास, मूल्यवर्धन, स्थानीय उद्यमिता एवं आजीविका-रोजगार सृजन हेतु पंचगौरव से अधिक से अधिक जिलेवासियों को जोड़ने के निर्देश दिए ताकि पंचगौरव की उपयोगिता सिद्ध हो सके।

इस दौरान जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती प्रतिभा वर्मा, अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रथम श्रीमती विनीता सिंह, अतिरिक्त जिला कलक्टर जयपुर शहर उत्तर मुकेश कुमार मूण्ड, अतिरिक्त जिला कलक्टर तृतीय श्रीमती देवयानी, सांख्यिकी विभाग के संयुक्त निदेशक

बाबूलाल मीणा, मुख्य आयोजन अधिकारी डॉ. सुदीप कुमावत सहित संबंधित जिला स्तरीय विभागीय अधिकारी व्यक्तिगत एवं वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से जुड़े थे।

फर्जी डिग्री के आधार पर शारीरिक शिक्षक बनने वाला आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान में फर्जी डिग्री और मार्कशीट के सहारे सरकारी नौकरी हथियाने वाले गिरोह के खिलाफ एसओजी (ड्जत्र्) ने एक और बड़ी सफलता हासिल की है। एसओजी जयपुर ने राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा आयोजित शारीरिक शिक्षक भर्ती परीक्षा-2022 में बी.पी.ई.ड की फर्जी डिग्री लगाकर नौकरी पाने वाले मुख्य अभियुक्त राजेश कुमार फागणा को गिरफ्तार कर लिया है। कोर्ट ने आरोपी को 3 दिन के पुलिस रिमांड पर सौंप दिया है। एसओजी के अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस विशाल बंसल ने बताया कि प्रकरण संख्या 63/2024 के अनुसंधान के दौरान यह चौंकाने वाला तथ्य सामने आया कि चयन बोर्ड द्वारा आयोजित इस भर्ती में आवेदन के समय आरोपी राजेश कुमार फागणा के पास शारीरिक शिक्षक पद के लिए अनिवार्य बी.पी.ई.ड की योग्यता नहीं थी। इसके बावजूद उसने आवेदन पत्र में खुद को योग्य दर्शाया। चयन होने के बाद, आरोपी ने शिक्षा विभाग में नियुक्ति पाने के लिए दलालों के जरिए जे.एस. विश्वविद्यालय, शिकोहाबाद से साठगांठ की। उसने विश्वविद्यालय के पवन सिंह चौहान और पंकज जैन नामक दलालों के मार्फत मोटी रकम देकर शिक्षा सत्र 2017-19 की बैक डेट (पुरानी तारीख) में बी.पी.ई.ड की फर्जी मार्कशीट और डिग्री तैयार करवाई। इस जाली दस्तावेज को प्रस्तुत कर उसने साल 2023 में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, मारकपुर में शारीरिक शिक्षक के पद पर अवैध रूप से नियुक्ति भी प्राप्त कर ली।

माय भारत पोर्टल युवाओं के लिए 'सिंगल विंडो सॉल्यूशन' के रूप में विकसित हो : श्रीनिवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने मंगलवार को सचिवालय में आयोजित बैठक में माय भारत पोर्टल की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को प्रदेश के 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के अधिकाधिक युवाओं को पोर्टल से जोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा के अनुरूप राजस्थान में माय भारत प्लेटफॉर्म पर विद्यार्थियों एवं युवाओं का व्यापक पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करते हुए विशेष अभियान चलाएं तथा प्रत्येक विद्यार्थी तक पहुंच सुनिश्चित करें। मुख्य सचिव ने कहा कि माय भारत पोर्टल को युवाओं के लिए 'सिंगल विंडो सॉल्यूशन' के रूप में विकसित किया जाए, जहां उन्हें कौशल विकास, स्वयंसेवा, अनुभवात्मक शिक्षण, नवाचार, युवा नेतृत्व एवं राष्ट्र निर्माण से जुड़ी गतिविधियों की जानकारी एवं अवसर उपलब्ध हो सकें। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को मुख्यमंत्री स्तर पर दिए गए निर्देशों की अनुपालना सुनिश्चित करते हुए युवा मामले विभाग को साप्ताहिक कम्प्लायंस रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी जिला कलेक्टरों द्वारा प्रतिमाह पोर्टल की प्रगति के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित कर उसकी कार्यवाही एवं मॉनिटरिंग रिपोर्ट भी भेजी जाए। मुख्य सचिव ने युवाओं को प्रेरित करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के यूथ आइकॉन्स को अभियान से जोड़ने के निर्देश भी दिए।

एआई मिशन को रफ्तार देगा यूपी डाटा सेंटर क्लस्टर : मुख्यमंत्री योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को 'यूपी डाटा सेंटर क्लस्टर' (यूपीडीसीसी) की समीक्षा करते हुए कहा कि यह परियोजना उत्तर प्रदेश के 'एआई मिशन' की बुनियादी संरचना तैयार करेगी।

यहां जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक मुख्यमंत्री ने प्रदेश के भविष्य की अर्थव्यवस्था से जुड़े विषयों 'उत्तर प्रदेश डाटा सेंटर क्लस्टर', 'प्रोजेक्ट गंगा' तथा गेहूं के घरेलू प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए मंडी शुल्क एवं मंडी उप कर में संभावित छूट जैसे मामलों की उच्च स्तरीय समीक्षा की।

मुख्यमंत्री ने यूपीडीसीसी की समीक्षा करते हुए कहा कि यह परियोजना उत्तर प्रदेश के 'एआई मिशन' की बुनियादी संरचना तैयार करेगी। उन्होंने कहा कि डाटा सेंटर क्लस्टर केवल राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) तक ही सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि प्रदेश के अन्य हिस्सों को भी इससे जोड़ा जाए और इसकी शुरुआत बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण (बीडा) क्षेत्र से की जा सकती है, जहां बड़े पैमाने पर भूमि उपलब्ध है। विज्ञप्ति के मुताबिक योगी आदित्यनाथ ने कहा कि टाटा समूह सहित बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों से संवाद स्थापित कर लखनऊ को 'एआई सिटी' के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य किया जाए। समीक्षा बैठक के दौरान एक प्रस्तुतीकरण के जरिये बताया गया कि उत्तर प्रदेश डाटा सेंटर क्लस्टर प्रदेश को भारत और 'ग्लोबल साउथ' का सबसे बड़ा 'एआई कंप्यूट पावर सेंटर' बनाने की दीर्घकालिक रणनीति है, जिसका उद्देश्य उत्तर प्रदेश को कृत्रिम मेधा, डेटा सेंटर, क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर और उच्च प्रौद्योगिकी डिजिटल विनिर्माण का वैश्विक केंद्र बनाना है। बयान के मुताबिक प्रस्तुतीकरण में कहा गया कि यह केवल एक परियोजना नहीं बल्कि अगले 50 वर्षों के लिए उत्तर प्रदेश की नई आर्थिक संरचना का खाका है और इसके तहत वर्ष 2040 तक पांच लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था, डेढ़ लाख से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार और पांच गीगावॉट एआई कंप्यूट कॉरिडोर विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है।

बंगाल सरकार ने बाड़बंदी के लिए बीएसएफ को जमीन सौंपी, शुभेंदु का घुसपैठियों पर कड़ी कार्रवाई का वादा

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने बुधवार को अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बाड़ लगाने और सुरक्षा अवसंरचना के लिए बीएसएफ को जमीन सौंप दी, जिसकी शुरुआत 27 किलोमीटर के एक हिस्से से हुई। उन्होंने कहा कि राज्य में सीमा प्रबंधन को मजबूत करने के लिए जहां भी आवश्यकता होगी, वहां और जमीन उपलब्ध कराई जाएगी। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को भूमि हस्तांतरण संबंधी बैठक को संबोधित करते हुए अधिकारी ने कहा कि यह प्रक्रिया राज्य में सीमा सुरक्षा में सुधार लाने की एक बड़ी पहल की शुरुआत है। उन्होंने कहा, ''यह जमीन दो सप्ताह के भीतर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को सौंप दी जाएगी। शुरुआत में, भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा के साथ लगते 27 किलोमीटर लंबे क्षेत्र को सौंपा जा रहा है।''

उत्तर बंगाल में एम्स, आईआईटी और आईआईएम की स्थापना की जाएगी : शुभेंदु अधिकारी

सिलीगुड़ी/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने बुधवार को कहा कि राज्य के उत्तरी भाग में एम्स, आईआईटी और आईआईएम जैसे संस्थानों की स्थापना की जाएगी। उन्होंने क्षेत्र में चाय बागान श्रमिकों के जीवन स्तर में गुणात्मक सुधार के लिए कदम उठाने के आदेश भी दिए। पश्चिम बंगाल के लिए भाजपा के चुनावी घोषणापत्र में उत्तर बंगाल में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) और भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) की स्थापना का वादा किया गया था। उत्तर बंगाल में मुख्यमंत्री अधिकारी की पहली प्रशासनिक बैठक के बारे में संवाददाताओं को जानकारी देते हुए दार्जिलिंग के भाजपा सांसद राजू बिस्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री ने क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे में सुधार की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि शुभेंदु अधिकारी ने लोगों को आश्वासन दिया कि उत्तर बंगाल में उपयुक्त स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करने के लिए एम्स स्थापित किया जाएगा। बिस्ता ने कहा ''एम्स के अलावा, उत्तर बंगाल में आईआईटी, आईआईएम और एक कैंसर अस्पताल भी स्थापित किए जाएंगे।''

प्रतिबंधित दवाओं का धंधा करने वाले गिरोह के तीन सदस्य गिरफ्तार, एक करोड़ से अधिक के कैप्सूल जब्त

मुजफ्फरनगर (उप्र)/भाषा। मुजफ्फरनगर जिले में पुलिस ने प्रतिबंधित दवाओं का कारोबार करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए एक करोड़ रुपए से अधिक के कैप्सूल जब्त किए हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार ने बुधवार को संवाददाताओं को बताया कि खालापार थाना क्षेत्र में वाहनों के निरीक्षण के दौरान पुलिस ने संदेह के आधार पर एक कार को रोका और उसकी तलाशी ली। उन्होंने बताया कि कार में 54 डिब्बों में रखे गए एक करोड़ रुपए से ज्यादा कीमत के 11 लाख से अधिक कैप्सूल मिले, जिन्हें जब्त कर लिया गया। पुलिस ने कार सवार तीन लोगों अश्वनी शर्मा, विनोद कुमार और यशपाल को गिरफ्तार कर लिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपियों ने खुलासा किया कि उनका गिरोह हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली और उत्तर प्रदेश में नशे के लिए इस्तेमाल की जाने वाली दवाओं की आपूर्ति करता था। उन्होंने आरोपियों के हवाले से बताया कि दवाएं जाली कंपनी के दस्तावेजों के आधार पर गोरखपुर से मंगाई जाती थीं। बरामद दवाओं के संभावित खरीदारों और गिरोह के अन्य सदस्यों के बारे में जानकारी जुटाने के लिए जांच की जा रही है।

जापान का टोटोरी प्रांत ओडिशा के साथ 'सिस्टर स्टेट' की तरह साझेदारी करेगा

भुवनेश्वर/भाषा। कोलकाता में जापान के महावाणिज्यदूत इशिकावा योशिहिसा ने बुधवार को यहां ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी से मुलाकात की और व्यापार, कारोबार, पर्यटन तथा शैक्षणिक आदान-प्रदान में सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि जापान का टोटोरी प्रांत, ओडिशा के साथ 'सिस्टर स्टेट' के रूप में एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करेगा। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, माझी ने बैठक के दौरान ओडिशा में विभिन्न विकास परियोजनाओं के लिए जापान के समर्थन और बढ़ते व्यापारिक संबंधों की सराहना की। उन्होंने उम्मीद जताई कि जापान, ओडिशा में निवेश और औद्योगिकीकरण के प्रयासों में अपनी भागीदारी बढ़ाएगा। जापान के महावाणिज्यदूत ने कला, संस्कृति, इतिहास और विरासत के क्षेत्र में ओडिशा और जापान के बीच ऐतिहासिक संबंधों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि जापान, ओडिशा के सामाजिक-आर्थिक प्रयासों में इसके साथ संबंधों को मजबूत करने के लिए तैयार है। आधिकारिक बयान के मुताबिक, बैठक में यह निर्णय लिया गया कि जापान का टोटोरी प्रांत ओडिशा के साथ 'सिस्टर स्टेट' के रूप में काम करने के लिए साझेदारी करेगा। इस संबंध में दोनों राज्यों के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल एक-दूसरे के यहां दौरा करेंगे।

ओडिशा बोर्ड के कक्षा 12 के परिणाम घोषित; लगभग 86 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा उच्च माध्यमिक शिक्षा परिषद ने बुधवार को कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षा के परिणाम घोषित कर दिए, जिसमें करीब 86 फीसदी छात्र उत्तीर्ण रहे। इस परीक्षा में 3.98 लाख छात्र शामिल हुए थे। राज्य के स्कूल एवं जन शिक्षा मंत्री नित्यानंद गोंड ने परिणामों की घोषणा करते हुए कहा कि वार्षिक उच्च माध्यमिक परीक्षा-2026 के लिए 4.01 लाख छात्रों ने पंजीकरण कराया था। उन्होंने बताया कि इनमें से 3.98 लाख छात्र परीक्षा में शामिल हुए और 3.41 लाख उत्तीर्ण हुए। गोंड के मुताबिक, इस साल 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा में 85.85 फीसदी छात्र उत्तीर्ण हुए, जबकि पिछले वर्ष यह आंकड़ा 82.45 प्रतिशत था। मंत्री ने बताया कि कला, विज्ञान, वाणिज्य और व्यावसायिक श्रेणी में क्रमशः 84.50 फीसदी, 88.82 फीसदी, 88.07 फीसदी और 77.62 फीसदी विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए।

प्रेमी को जेल से रिहा कराने की मांग को लेकर मोबाइल टावर पर चढ़ी महिला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रतापगढ़ (उप्र)/भाषा। प्रतापगढ़ के कोतवाली नगर थाना क्षेत्र में बुधवार को एक युवती जेल में बंद अपने प्रेमी को रिहा कराने की मांग को लेकर एक मोबाइल टावर पर चढ़ गई। सहायक पुलिस अधीक्षक (नगर) प्रशांत राज हुड्डा ने बताया कि यह घटना बालिपुर इलाके में चारू नर्सिंग होम के पास हुई। उन्होंने बताया कि महेश गंज इलाके की रहने वाली और पेशे से सफाई कर्मी महिला मोबाइल टावर पर चढ़ गई और जेल में बंद अपने प्रेमी अंकित गौतम की रिहाई की मांग करने लगी। हुड्डा ने बताया कि महिला ने हाल ही में अपने प्रेमी से गर्भवती होने के बाद उससे शादी के लिए कहा था। लेकिन कथित तौर पर गौतम ने उस पर गर्भपात कराने का दबाव डाला जिसके बाद उसने गौतम के खिलाफ कुंडा थाने में शिकायत दर्ज करायी थी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने 24 अप्रैल को गौतम को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही कर जेल भेज दिया था जिसकी रिहाई की मांग को लेकर महिला टावर पर चढ़ गई। हुड्डा ने बताया कि कई घंटे तक महिला टावर पर चढ़ी रही और पुलिसकर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद उसे नीचे उतरने के लिए मनाया।

भाजपा को बंगाल में सिर्फ हिंदू वोट नहीं; टीएमसी के 'कुशासन', शाह के काम ने जीत दिलाई : गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। शीर्ष चुनाव विश्लेषक प्रदीप गुप्ता ने बुधवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में ''भय का माहौल'' बनाने वाले तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के वर्षों के ''कुशासन'', प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करिश्माई व्यक्तित्व तथा अमित शाह और आरएसएस की संगठनात्मक क्षमताओं ने भाजपा को सत्ता में पहुंचाया।

'एक्सिस माय इंडिया' के संचालक गुप्ता ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ साक्षात्कार में इस बात को खारिज किया कि 15 साल सत्ता में रहने के बाद ममता बनर्जी की टीएमसी को सत्ता से बाहर करने में हिंदू मतों के एकीकरण की भूमिका है। उन्होंने भारतीय मतदाताओं की सराहना करते हुए कहा कि वह सबसे गरीब गांव से लेकर सबसे अमीर शहर तक सभी को परिपक्व और समझदार मानते हैं, तथा वे चुनावी वादों, मुफ्त उपहारों या धर्म से ज्यादा

प्रभावित नहीं होते। उन्होंने जोर देकर कहा कि धार्मिक ध्रुवीकरण के बजाय सुशासन ही भाजपा को अपना वर्चस्व स्थापित करने में मदद कर रहा है।

गुप्ता ने कहा, ''हिंदू और मुस्लिम मुद्दे जीत या हार का निर्धारण नहीं करते। जब आप भाजपा की जीत का श्रेय हिंदू मतों के एकीकरण को देते हैं, तो आप उन राज्यों में किए गए विकास और अच्छे कार्यों को कम करके आंकते हैं।'' विशेष रूप से बंगाल के संदर्भ में उन्होंने कहा कि टीएमसी ने भय का माहौल बनाया जो 23 अप्रैल को पहले चरण के मतदान के बाद उनके सर्वेक्षकों के लोगों से बातचीत करने पर स्पष्ट रूप से सामने आया। गुप्ता के अनुसार, लोगों ने सर्वेक्षकों से बात करने से इनकार कर दिया, जो इस बात का स्पष्ट संकेत था कि उन्होंने टीएमसी से अलग होकर भाजपा को वोट दिया था। उन्होंने पीटीआई-भाषा के साथ साक्षात्कार में विधानसभा चुनावों के हालिया परिणामों से लेकर भारतीय मतदाता की बदलती मानसिकता तक कई विषयों पर चर्चा की। गुप्ता ने कहा, ''पूजा से ज्यादा महत्व पेट का है, और पेट से बड़ा महत्व जान का है।''

हालांकि 'एक्सिस माय इंडिया' ने तमिलनाडु, असम, केरल और पुडुचेरी में परिणामों की सटीक भविष्यवाणी की, लेकिन उसने पश्चिम बंगाल के लिए 'एग्जिट पोल' के अनुमान जारी नहीं करने का फैसला किया, जिसका कारण यह बताया गया कि बड़ी संख्या में लोगों (जिनसे सवाल पूछा गया, उनमें से लगभग 70 प्रतिशत) ने जवाब नहीं दिया। गुप्ता ने दावा किया कि टीएमसी ने राज्य तंत्र का दुरुपयोग करके उनके सर्वेक्षकों को डराया-धमकाया और कुछ मामलों में तो उन्हें गिरफ्तार भी कर लिया।

प्रधानमंत्री चाहते हैं कि जनता मुश्किल भी झेले और उनके भाषणों की 'मेलोडी' का आनंद भी ले : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने महंगाई, बेरोजगारी, पेपर लीक, 'घटते' निवेश और डॉलर के मुकाबले रुपए में गिरावट जैसे मुद्दों को लेकर बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा और कहा कि वह (मोदी) अपना प्रचार जारी रखे हुए हैं, जबकि अर्थव्यवस्था संकट का सामना कर रही है।

राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष ने यह दावा भी किया प्रधानमंत्री मोदी चाहते हैं कि जनता उनकी सरकार की लूट के कारण पैदा होने वाली 'मुश्किल' से बचे रहने की कोशिश करने के साथ उनके भाषणों की 'मेलोडी' (राग) का आनंद उठाए।

खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि मोदी सरकार में पिछले 11

वर्षों में प्रत्येक भारतीय पर औसत कर्ज 11 गुना बढ़ गया है, जबकि अरबपतियों की कुल संपत्ति 97.50 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गई है। उन्होंने कहा कि घरेलू एलपीजी की कीमत 121 प्रतिशत बढ़ गई है, जो 2014 में 414 रुपए से बढ़कर 2026 में 915.5 रुपए हो गई है।

उनका कहना है कि वाणिज्यिक सिलेंडर की कीमतों में लगभग 154 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है और अब यह 1,241 रुपए से बढ़कर 3,152 रुपए हो गया है।

खरगे ने कहा, ''हाल ही में ईंधन की कीमत में बढ़ोतरी के साथ, सरकारी तेल कंपनियों ने कुछ ही घंटों में लगभग 12,400 करोड़ रुपए कमाए, जबकि लगातार (बढ़ती) कीमतों के दबाव में लोगों का दम घुट रहा है।''

भाजपा शासन के तहत बड़े पैमाने पर बेरोजगारी और पेपर लीक का आरोप लगाते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि मार्च, 2026 में युवा बेरोजगारी (15 से 29 वर्ष की आयु) बढ़कर 15.2 प्रतिशत हो गई है, जो नौ महीने की चरम सीमा पर है तथा यह गहराते आर्थिक संकट को दर्शाती है।

उन्होंने दावा किया, ''भाजपा शासन के तहत 10 वर्षों में 90 परीक्षाओं के पेपर लीक ने भर्ती की विश्वसनीयता को खत्म कर दिया है और लगभग नौ करोड़ युवाओं का भविष्य बर्बाद कर दिया है।''

अमेठी से पारिवारिक रिश्ता, यहां के लोग जैसा कहेंगे वैसा करूंगा : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमेठी (उप्र)/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अगले साल होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी कार्यकर्ताओं में जोश भरने की कोशिश करते हुए कहा कि अमेठी से उनका पारिवारिक रिश्ता है और चुनाव से पहले यहां के लोग जो भी कहेंगे, वह वैसा ही करेंगे।

गांधी ने गौरीगंज के तेजीपुर गांव में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अमेठी के साथ अपने परिवार के लंबे समय से चले आ रहे जुड़ाव का जिक्र किया।

उन्होंने कहा, ''यह मेरा घर है, मेरा परिवार है और मेरी कर्मभूमि है। राजीव जी, सोनिया जी, प्रियंका जी और मैं - हम सभी अमेठी से जुड़े रहे हैं। मैं यहां से सांसद भी रहा हूं। भविष्य में आप सब मुझसे जो कुछ भी करने को कहेंगे, मैं वही करूंगा।''

रायबरेली से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अपने संबोधन से पहले अमेठी से पार्टी के सांसद किशोरी लाल शर्मा के भाषण का जिक्र करते हुए उसे 'भावुक' बताया और दोहराया कि वह अमेठी के लोगों की भावनाओं का सम्मान करेंगे।

शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि वह खुद को महज़ एक सेवक मानते हैं। उन्होंने इच्छा जतायी कि गांधी को एक बार फिर संसद में अमेठी का प्रतिनिधित्व करना चाहिए।

शर्मा ने कहा कि गांव-गांव में लोगों के दिलों में गांधी परिवार के लिए आज भी गहरा स्नेह मौजूद है।

राहुल गांधी वर्ष 2004 से 2019 तक अमेठी से सांसद रहे और वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में उन्हें भाजपा नेता स्मृति ईरानी के हाथों पराजय का सामना करना पड़ा था।

मिर्जापुर से करीब डेढ़ करोड़ रु. की प्रतिबंधित कोडीन युक्त कफ सिरप बरामद, एक गिरफ्तार

मिर्जापुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने मिर्जापुर से एक मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार किया है। उससे लगभग 1.6 करोड़ रुपए मूल्य की प्रतिबंधित कोडीन युक्त कफ सिरप की 13 हजार से ज्यादा बोतलें जब्त की गई हैं। सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

एएनटीएफ के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि आरोपी की पहचान वाराणसी के रहने वाले अजय कुमार यादव उर्फ अजीत के रूप में हुई है, जिसे एएनटीएफ की लखनऊ इकाई ने मंगलवार को मिर्जापर के कोतवाली कटरा इलाके में लोहंडी मार्ग से गिरफ्तार किया।

सूत्रों के अनुसार, आरोपी के कब्जे से प्रतिबंधित कोडीनयुक्त कफ सिरप की 13074 बोतलें तथा कुछ अन्य सामान बरामद किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि इस सिलसिले में मिर्जापुर के कोतवाली कटरा थाने में स्वापक औषधि एवं मन: प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम की सुसंगत धाराओं के प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस ने बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपी ने कथित तौर पर जांचकर्ताओं को बताया कि वह और उसके साथी लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल थे।

एएनटीएफ ने कहा कि इस गिरोह में शामिल अन्य लोगों की पहचान करने और उनके खिलाफ कार्रवाई करने के प्रयास जारी हैं।

राजा देश की चिंता नहीं करे, तो क्या उसे 'देशप्रेमी' कहेंगे : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बारे में राहुल गांधी की एक टिप्पणी के कारण उपजे विवाद को लेकर बुधवार को दावा किया कि जनता में मोदी सरकार के खिलाफ आक्रोश है और विपक्षी दल को उस गुस्से को प्रकट करना होगा।

पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने यह भी कहा कि यदि राजा देश की चिंता नहीं करे, तो क्या उसे ''देशप्रेमी'' कहा जा सकता है? राहुल गांधी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और आरएसएस को ''गद्दार'' करार देते हुए आरोप लगाया कि वे रोजाना संविधान पर हमला कर रहे हैं और चुनिंदा उद्योगपतियों को देश के हित बेच चुके हैं।

इसको लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राहुल गांधी पर तीखा हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस नेता के शब्द उनकी अराजक सोच और चरित्र को दर्शाते हैं। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि गांधी की टिप्पणी देश की 140 करोड़ जनता का अपमान है और उन्होंने उनसे माफी मांगने की मांग की। राहुल गांधी की टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर खेड़ा ने संवाददाताओं से कहा, ''देश मतलब, देश के लोग हैं। जब देश

का राजा लोगों की चिंता करना बंद कर देता है, तो क्या उसको हम देशप्रेमी कह सकते हैं?'' उन्होंने कहा, ''जब वह (प्रधानमंत्री) देश के लोगों को कहते हैं कि खाना कम खाओ, अपने वाहनों में तेल कम डालो, त्याग करो और खुद बड़े-बड़े काफिलों में रोड शो करते हैं, एक विमान में अपने कुछ अधिकारियों के साथ विदेश यात्रा करते हैं। आप तो खुद उदाहरण पेश नहीं कर रहे।''खेड़ा ने कहा, ''सारा देश त्याग करेगा और अगर कोई सवाल पूछ लेगा, तो वो देशद्रोही कहलाएगा। तो परिभाषाएं तो देख लीजिए जरा, देश की परिभाषा क्या होती है, देशप्रेम की परिभाषा क्या होती है, राजा का धर्म क्या होता है, राज धर्म क्या होता है?'' उन्होंने दावा किया कि देश और समाज के हर तबके में गहरी चिंता का माहौल है और खासकर उन लोगों में भारी नाराजगी और धोखे का अहसास है, जिन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को वोट दिया था। कांग्रेस नेता ने कहा, ''देश में गहरी निराशा, उदासी और गुस्सा है और एक ज़िम्मेदार विपक्षी दल के तौर पर हमें उस गुस्से को ज़रूर ज़ाहिर करना होगा।''

हॉकी कोच बलदेव सिंह को सम्मानित किया जाएगा पद्मश्री से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। हॉकी कोच बलदेव सिंह को 25 मई को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा देश के प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान पद्मश्री से नवाजा जाएगा। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

सिंह (75 वर्ष) ने एनएच 44 पर बसे छोटे से शहर शाहाबाद मारकंडा को बेहतरीन हॉकी प्रतिभा पैदा करने का एक बड़ा केंद्र बना दिया। वह 1982 में हरियाणा खेल विभाग में कोच के तौर पर शाहाबाद मारकंडा आए थे और उन्होंने वहां चार साल तक सेवा दी। अधिकारियों ने

बताया कि 1993 में वह इस शहर में वापस लौटे और उन्होंने इस हॉकी नर्सरी को सबसे ज्यादा हॉकी प्रतिभा पैदा करने वाले केंद्र में से एक बना दिया। भैणी साहिब की नामधारी हॉकी टीम से अपने पेशेवर करियर की शुरुआत करने वाले और अस्सी के दशक की शुरुआत में बेंगलूरु के राष्ट्रीय खेल संस्थान (एनआईएस) से हॉकी कोचिंग में डिप्लोमा हासिल करने वाले सिंह ने अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए इस खेल में 80 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों और आठ भारतीय कप्तानों को तराशा। जैसे-जैसे यह अकादमी इस खेल के लिए एक प्रमुख केंद्र बनती गई, सिंह ने हॉकी की प्रतिस्पर्धी व्यवस्था में कई अहम भूमिकाएं निभाईं। उन्होंने 1993 में जूनियर पुरुष टीम के मुख्य कोच और चयनकर्ता के तौर पर काम किया। फिर वह 1996 में मद्रास में चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली भारतीय टीम के सहायक कोच रहे और बाद में सीनियर राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच बने।

रणजी ट्रॉफी 11 अक्टूबर से, दलीप ट्रॉफी के साथ 23 अगस्त से शुरू होगा घरेलू सत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रणजी ट्रॉफी एक बार फिर दो चरण में खेला जाएगी जिसमें पहले चरण की शुरुआत 11 अक्टूबर से होगी जबकि 2026-27 घरेलू सत्र 23 अगस्त को दलीप ट्रॉफी के साथ शुरू होगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुधवार को यह घोषणा की।

आगामी सत्र के दौरान बीसीसीआई आयु वर्ग और सीनियर क्रिकेट में कुल 1788 मुकाबलों का आयोजन करेगा जिसमें पुरुषों के लिए अंडर-16, अंडर-19 और अंडर-23 के अलावा सीनियर स्तर जबकि महिलाओं के लिए अंडर-15, अंडर-19 और अंडर-23 के अलावा सीनियर स्तर के मुकाबले शामिल हैं। अंडर-23 वर्ग का सीमित ओवरों का टूर्नामेंट और विजी ट्रॉफी के लिए अंतर क्षेत्रीय विश्वविद्यालय प्रतियोगिता टी20 प्रारूप में खेली जाएगी।

बीसीसीआई ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''2026-27 का घरेलू सत्र बीसीसीआई की एक मजबूत और प्रतिस्पर्धी घरेलू ढांचा बनाने की प्रतिबद्धता को दिखाता है। साथ ही यह सभी प्रारूप और वर्ग में संतुलित प्रगति भी सुनिश्चित करता है।''

क्षेत्रीय प्रारूप में वापसी करने वाली दलीप ट्रॉफी 23 अगस्त से 10 सितंबर के बीच खेली जाएगी। यह पूरा टूर्नामेंट बेंगलूरु में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में होगा।

सुविचार

विश्वास वो धागा है, जो टूट जाए तो जुड़ता नहीं, और अगर जुड़ भी जाए, तो गांठ रह ही जाती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

राम गली में अपनी पहचान ढूंढ़ता लाहौर

पाकिस्तान के लाहौर शहर की कई सड़कों और गलियों के आजादी से पहले के नाम रखने के फैसले से आश्चर्य होता है। अपनी कट्टरता और हिंसा के लिए कुख्यात इस पड़ोसी देश में सकारात्मक बदलाव की यह कोशिश कितना असर दिखा पाएगी? जब पाकिस्तान अस्तित्व में आया था, तब इसके हुक्मरानों के सामने चुनौती थी कि विभाजन के फैसले को हर सूरत में सही ठहराया जाए। साथ ही, अपनी 'हिंदू पहचान' से रिश्ता तोड़ा जाए। इस कोशिश में हर शहर की पुरानी सड़कों, गलियों और इमारतों के नाम बदले गए। संस्कृत, हिंदी, पंजाबी, सिंधी नामों की जगह अरबी-फारसी का बोलबाला हो गया। सरकारी साजिश के तहत हर जगह ऐसा माहौल बनाया गया कि लोग खुद की जड़ें भारत में तलाशने के बजाय इस बात पर झूठा गर्व करें कि हम तो विदेश से आए थे। इस दुष्प्रचार को सबसे ज्यादा हवा जनरल ज़िया-उल हक़ ने दी थी। अब तो कई बुद्धिजीवी खुलकर कहते हैं कि पाकिस्तान का बेड़ा गर्क करने वाला शख्स जनरल ज़िया था। उसने साड़ी को हिंदू पहनावा बताते हुए इसे पहनने को हतोत्साहित किया। कई पकवान, जो सदियों से भारत में बनाए और खाए जा रहे हैं, के नाम बदल दिए गए। ज़िया-उल हक़ का बस चलता तो पाकिस्तान में संगीत पर पाबंदी लग जाती, लेकिन इतनी 'उदारता' दिखाई कि रागों के नाम बदल दिए गए। इसका नतीजा यह निकला कि पाकिस्तानी अपनी असल पहचान भूलते गए। उनमें सहिष्णुता का स्तर बुरी तरह गिर गया। वहां जरा-सी असहमति गोलियों और धमाकों तक पहुंच जाती है। अगर अब वहां की पंजाब सरकार कृष्ण नगर, संत नगर, धरमपुरा, राम गली, लक्ष्मी चौक, जैन मंदिर रोड, मोहन लाल बाजार, सुंदरदास रोड, भगवानपुरा, शांति नगर जैसे नाम वापस रखती है तो इससे लोगों को अपनी जड़ों का पता चलेगा।

अगर इतिहास के किसी कालखंड में पूजन पद्धति बदल ली तो इसका यह मतलब नहीं है कि उसके पूर्वज भी बदल गए। जिस पौधे की जड़ कट जाती है, वह कभी पेड़ नहीं बन पाता। यह बात अब आम पाकिस्तानी समझने की कोशिश कर रहे हैं। वे इस पर चर्चा कर रहे हैं। हालांकि अभी उनकी संख्या बहुत कम है। देर-सबेर सबको पता चलेगा कि कट्टरता और नफरत के कारण बहुत कुछ गंवा दिया। पाकिस्तान में उन विदेशी आक्रांताओं के नाम पर गलियों और सड़कों के नाम हैं, जिन्होंने किसी ज़माने में वहां लूटमार की थी। जिन्होंने कभी (पाकिस्तानियों के पूर्वजों की) खोपड़ियों के ढेर लगाए थे, महिलाओं से दुष्कर्म किए थे, उन्हें वहां नायक बनाकर पेश किया गया। अब उनकी असलियत सामने आने लगी है। लोगों को इंटरनेट से मालूम हुआ कि तक्षशिला (जो इस्लामाबाद से लगभग 35 किमी दूर है) बहुत बड़ा विश्वविद्यालय था, जिसके विशेषज्ञों ने कई राजाओं को अर्थ प्रबंधन सिखाया था। अगर पाकिस्तानी हुक्मरान इस विरासत से ही कुछ सीख लेते तो दुनियाभर में कटोरा लेकर न फिरते। शहीद भगत सिंह अविभाजित भारत के जिस गांव में जन्मे थे, आज वह पाकिस्तान में आता है। पाकिस्तानियों का दुर्भाग्य देखिए, उन्हें दशकों तक इस महान क्रांतिकारी के बारे में पता ही नहीं था! जब विदेशी लुटेरों और हत्यारों को नायक मानना बंद करेंगे, तब न धरती के सपूतों के बारे में जान पाएंगे। आधुनिक विज्ञान ने पाकिस्तानियों की कई धारणाओं की धज्जियां उड़ा दीं। एक लेखक ने अपने यूट्यूब चैनल पर स्वीकार किया कि उन्हें बचपन से यह पढ़ाया-सिखाया गया था कि 'हम बाहर से आए थे, हमारा भारत से कोई संबंध नहीं है।' जब उन्होंने अपना डीएनए टेस्ट कराया तो पता चला कि उनके सभी पूर्वज भारतीय थे। अगर पाकिस्तान आतंकवाद का रास्ता पकड़ने के बजाय अपनी विरासत और हिंदू पूर्वजों से लगाव रखता तो बहुत समृद्ध देश होता। वहां पर्यटन को खूब बढ़ावा मिलता। अगर आज पाकिस्तानी हुक्मरान इस दिशा में पहला कदम बढ़ा रहे हैं तो यही कहना चाहिए- 'देर आयद, दुरुस्त आयद।'

ट्वीटर टॉक

कांग्रेस के अशोक गहलोत ने लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान पर कहा, पूरा देश जानता है कि राहुल गांधी साफ दिल के आदमी हैं। जो उनके दिल में आता है, वो अपनी जुबान पर ले आते हैं, वो राजनीति नहीं करते।

-अशोक गहलोत

रामपुरा की ठकुरानी स्वर्गीय राज कुमारी के निधन के बाद, वे आज उनके घर गए, उन्हें श्रद्धांजलि दी और दुखी परिवार वालों से मिलकर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। भगवान दिवंगत आत्मा को अपने पवित्र चरणों में स्थान दें और परिवार को यह बहुत बड़ा दुख सहने की शक्ति दें।

-दिया कुमारी

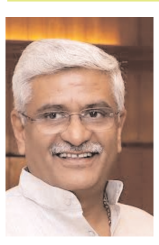

सर्वोच्च आचरण वह दीपक है जो न केवल व्यक्ति को बल्कि समाज को भी प्रकाशित करता है। इसी आदर्श को अपनाकर, आज हमारे देशवासी राष्ट्र-निर्माण के कार्य में पूरे संयम, क्षमता और कर्तव्यनिष्ठा के साथ लगे हुए हैं।

-गजेन्द्रसिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

भक्ति का मूल्य

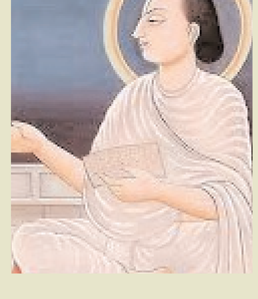

एक बार एक धनी शिष्य ने संत वल्लभाचार्य से पूछा कि ईश्वर को प्रसन्न करने के लिए सबसे मूल्यवान भेंट क्या हो सकती है। उसने अनेक बहुमूल्य वस्तुओं का उल्लेख किया। वल्लभाचार्य उसे एक साधारण गृहस्थ के घर ले गए, जहां सीमित साधनों के बावजूद परिवार अत्यंत प्रेम और श्रद्धा से अतिथि-सत्कार कर रहा था। लौटते समय उन्होंने शिष्य से पूछा, 'तुम्हें वहां क्या विशेष दिखाई दिया?' शिष्य बोला, 'उनके पास धन कम था, पर भाव बहुत सच्चा था।' तब वल्लभाचार्य ने समझाया कि भक्ति का मूल्य बाहरी वैभव से नहीं, बल्कि मन की निष्कपटता और प्रेम से होता है। यदि अहंकार जुड़ जाए, तो बड़ी भेंट भी खोखली हो सकती है।

सामयिक

भारत ने मध्यस्थता न्यायालय का फैसला अवैध ठहराया

प्रमोद भार्गव
मो. 09425488224

> **पुलवामा हमले के बाद केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने पाकिस्तान पर दबाव बनाने के लिए पाकिस्तान की ओर बहने वाली नदियों का पानी रोकने की बात कही थी। भारत ने पहलगाम में हिंदू पर्यटकों पर हुए हमले के बाद इस मांग को अंजाम तक पहुंचा दिया है। तय है, इस कूटनीतिक पहल से पाक की कमर टूट रही है। नदियों के प्रवाह को बाधित करना इसलिए भी अनुचित नहीं है, क्योंकि यह संधि भारत के अपने राज्य जम्मू-कश्मीर के नागरिकों के लिए न केवल औद्योगिक व कृशि उत्पादन हेतु पानी के दोहन में बाधा बनी हुई थी, बल्कि पेयजल के लिए नए संसाधन निर्माण में भी बाधा थी। इस संधि के चलते यहां की जनता को पानी के उपयोग के मौलिक अधिकार से भी वंचित होना पड़ रहा था।**

भारत अब देषहित में कठोर फैसले लेने में चूक नहीं रहा है। भारत ने कष्मीर के पहलगाम में निर्दोश पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के परिप्रेक्ष्य में कड़ा रुख अपनाते हुए पांच बड़े कूटनीतिक प्रहार किए थे। इनमें सबसे महत्वपूर्ण सिंधु जल समझौते को अनिष्चित काल के लिए स्थगित करना था। इस बाबत भारत ने दूसरा कठोर फैसला लेते हुए नीदरलैंड के हेग में स्थित अंतरराश्ट्रीय स्थाई मध्यस्थता न्यायालय के उस फैसले को खारिज करते हुए अवैध ठहरा दिया, जो जम्मू-कष्मीर से जुड़ी जल विद्युत परियोजनाओं से संबंधित था। इन पर पाकिस्तान ने सिंधु जल संधि के तहत आपत्ति जताई थी। विदेष मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने दो टूक कहा कि 'अवैध रूप से गठित तथाकथित मध्यस्थता न्यायालय ने 15 मई 2026 को अधिकतम जल ग्रहण क्षेत्र से संबंधित एक फैसला दिया है, जो सिंधु जल संधि की सामान्य व्यख्या के मुद्दों पर दिए गए फैसलों का पूरक है। भारत इस तथाकथित फैसले को पूरी तरह खारिज करता है, ठीक उसी तरह जैसे उसने अवैध रूप से गठित मध्यस्थता न्यायालय के सभी पूर्व निर्णयों को दृढ़ता से खारिज किया हुआ है। इस संधि को स्थगित रखने का भारत का फैसला बरकरार है।'

22 मार्च 2025 को पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई कठोर निर्णय लिए थे, जिनमें से एक 19 सितंबर 1960 को अंतरराश्ट्रीय जल संरक्षण संधि है। इस संधि में 12 अनुच्छेद और 8 परिषिश्ट हैं। यह एक ऐसी कूटनीतिक चाल थी, जिससे पाकिस्तान को भीशण जलसंकट का सामना करना पड़ रहा है। पाक कि आर्थिक समृद्धि में भी इस फैसले ने मठा घोलने का काम किया है। सिंधु जल संधि में भारत और पाकिस्तान के बीच नदियों का पानी बांटने का समझौता हुआ था। इस समझौते पर प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और पाकिस्तानी राष्ट्रपति अयूब खान ने हस्ताक्षर किए थे। यह संधि विश्व बैंक की मध्यस्थता में हुई थी। इसके अंतर्गत पाकिस्तान से पूर्वी क्षेत्र की तीन नदियों व्यास, रावी व सतलज की जल राशि पर नियंत्रण भारत के सुपुर्द किया गया था और पश्चिम की नदियों सिंधु, चिनाब व झेलम पर नियंत्रण की जिम्मेदारी पाक को सौंपी गई थी। इसके तहत भारत के ऊपरी हिस्से में बहने वाली इन छह नदियों का 80.52 यानी 167.2 अरब घन मीटर पानी पाकिस्तान को हर साल दिया जाता है। जबकि भारत के हिस्से में महज 19.48 प्रतिशत पानी ही शेष रह जाता है। नदियों की ऊपरी धारा (भारत में बहने वाला पानी) के जल-बंटवारे में उदारता की ऐसी अनूठी मिसाल दुनिया के किसी भी अन्य जल-समझौते में देखने में नहीं आई है। इसलिए अमेरिकी सीनेट की विदेशी मामलों से संबंधित समिति ने 2011 में दावा किया था कि यह संधि दुनिया की सफलतम संधियों में से एक है। लेकिन यह संधि केवल इसलिए सफल है, क्योंकि भारत संधियों की शर्तों को निभाने के प्रति उदार एवं प्रतिबद्ध बना हुआ था। जबकि जम्मू-कष्मीर को हर साल इस संधि के पालन में करीब 60 हजार करोड़ रुपए का नुकसान उठाना पड़ता है। भारत की भूमि पर इन नदियों का अकूत जल भंडार होने के बावजूद इस संधि के चलते इस राज्य को पर्याप्त बिजली नहीं मिल पा रही है। पाकिस्तान की 2.6 करोड़ एकड़ कृशि भूमि की सिंचाई इन्हीं नदियों के जल से होती है। पाक के बड़े भू-भाग की 21 करोड़ से ज्यादा जनसंख्या की जल की जरूरतें इन्हीं नदियों पर निर्भर हैं। पिछले एक साल से सिंधु का पानी रोक दिए जाने से पाकिस्तान में खेती को बड़ा नुकसान हो रहा है।

दरअसल सिंधु-संधि के तहत उत्तर से दक्षिण को बांटने वाली एक रेखा सुनिष्चित की गई है। इसके तहत सिंधु क्षेत्र में आने वाली तीन नदियां सिंधु, चिनाब और झेलम पूरी तरह पाकिस्तान को उपहार में दे दी गई हैं। इसके उलट भारतीय संप्रभुता क्षेत्र में आने वाली व्यास, रावी व सतलज नदियों के बचे हुए हिस्से में ही जल सीमित रह गया है। इस लिहाज से यह संधि दुनिया की ऐसी इकलौती अंतर्देशीय जल संधि है, जिसमें सीमित संप्रभुता का सिद्धांत लागू होता है और संधि की असमान शर्तों के चलते ऊपरी जलधारा वाला देश नीचे की ओर प्रवाहित होने वाली जलधारा वाले देश पाकिस्तान के लिए अपने हितों की न केवल अनदेखी करता है, वरन बलिदान कर देता है। इतनी बेजोड़ और पाक हितकारी संधि होने के बावजूद पाक ने भारत की उदार षालीनता का उत्तर पूरे जम्मू-कष्मीर क्षेत्र में आतंकी हमलों के रूप में देता रहा है। आतंकवाद को बहाना बनाकर छद्म युद्ध तीन दषक से लड़ रहा है। जबकि सभी हमले पाक सेना की करतूत हैं। दरअसल छद्म युद्ध में लागत तो कम आती ही है, हमलाबर देष पाकिस्तान वैष्विक मंचों पर इस बहाने रक्षात्मक भी हो जाता है कि इन हमलों में उसका नहीं, आतंकवादियों का हाथ है। बावजूद हैरानी इस बात पर है कि इस संधि को तोड़ने की हिम्मत न तो 1965 में भारत-पाक युद्ध के बाद दिखाई गई और न ही 1971 में। हालांकि 1971 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान को दो टुकड़ों में विभाजित कर नए राश्ट्र बांग्लादेष को अस्तित्व में लाने की बड़ी कूट व रणनीतिक सफलता हासिल की थी। कारगिल युद्ध के समय भी इस संधि को तोड़ने से चुके हैं।

दरअसल पाकिस्तान की प्रकृति में ही अहसानफरोषी षुमार है। इसीलिए भारत ने जब झेलम की सहायक नदी किषनगंगा पर बनने वाली 'किषन गंगा जल विद्युत परियोजना' की बुनियाद रखी तो पाकिस्तान ने बुनियाद रखते ही 'मध्यस्थता न्यायालय' में 2010 में ही आपत्ति दर्ज करा दी थी। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में किशनगंगा नदी पर 300 मेगावाट की जल विद्युत परियोजना प्रस्तावित है। हालांकि 20 दिसंबर 2013 को इसका फैसला भी हो गया।

दुर्भाग्य कहलें या भारत द्वारा ठीक से अपने पक्ष की पैरवी नहीं करने के कारण यह निर्णय भारत के व्यापक हित साधे रखने में असफल रहा है। न्यायालय ने भारत को परियोजना निर्माण की अनुमति तो दे दी, लेकिन भारत को बाध्य किया गया कि वह 'रन ऑफ द रिवर' प्रणाली के तहत नदियों का प्रवाह निरंतर जारी रखे। फैसले के मुताबिक किशनगंगा नदी में पूरे साल हर समय 9 क्यूसेक मीटर प्रति सेकंड का न्यूनतम जल प्रवाह जारी रहेगा। हालांकि पाकिस्तान ने अपील में 100 क्यूसेक मीटर प्रति सेकेंड पानी के प्राकृतिक प्रवाह की मांग की थी, जिसे न्यायालय ने नहीं माना। पाकिस्तान ने सिंधु जल-समझौते का उल्लंघन मानते हुए भारत के खिलाफ यह अपील दायर की थी। इसके पहले पाकिस्तान ने बगलिहार जल विद्युत परियोजना पर भी आपत्ति दर्ज कराई थी। जिसे विश्व बैंक ने निरस्त कर दिया था।

दरअसल द्विपक्षीय वार्ता के बाद शिमला समझौते में स्पष्ट उल्लेख है कि पाकिस्तान अपनी जमीन से भारत के खिलाफ आतंकवाद को फैलाने की इजाजत नहीं देगा। किंतु पाकिस्तान इस समझौते के लागू होने के बाद से ही, इसका खुला उल्लंघन कर रहा है। लिहाजा पाकिस्तान को उसी की भाषा में जवाब देने के नजरिए से भारत को सिंधु जल-संधि को ठुकरा कर पानी को हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की मांग लंबे समय से उठ रही थी।

पुलवामा हमले के बाद केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने पाकिस्तान पर दबाव बनाने के लिए पाकिस्तान की ओर बहने वाली नदियों का पानी रोकने की बात कही थी। भारत ने पहलगाम में हिंदू पर्यटकों पर हुए हमले के बाद इस मांग को अंजाम तक पहुंचा दिया है। तय है, इस कूटनीतिक पहल से पाक की कमर टूट रही है। नदियों के प्रवाह को बाधित करना इसलिए भी अनुचित नहीं है, क्योंकि यह संधि भारत के अपने राज्य जम्मू-कष्मीर के नागरिकों के लिए न केवल औद्योगिक व कृशि उत्पादन हेतु पानी के दोहन में बाधा बनी हुई थी, बल्कि पेयजल के लिए नए संसाधन निर्माण में भी बाधा थी। इस संधि के चलते यहां की जनता को पानी के उपयोग के मौलिक अधिकार से भी वंचित होना पड़ रहा था। हैरानी की बात यह भी है कि यहां सत्तारूढ़ रहने वाली सरकारों और अलगाववादी जमातों ने इस बुनियादी मुद्दे को उछालकर पाकिस्तान को कठघरे में खड़ा करने की कोषिष कभी नहीं की ? इसलिए आतंक का माकूल जवाब देने के लिए भारत सरकार की इस कूटनीतिक पहल का असर अब पाकिस्तान में साफ दिखाई दे रहा है।

नजरिया

दवा के नाम पर मौत, इलाज के नाम पर भय कब तक?

ललित गर्ग
मो. 9811051133

भा किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसकी सेना, अर्थव्यवस्था, तकनीकी उपलब्धियों या ऊंची इमारतों से नहीं मापी जाती, बल्कि इस बात से मापी जाती है कि वह अपने नागरिकों के जीवन, स्वास्थ्य और सुरक्षा के प्रति कितना संवेदनशील है। स्वास्थ्य व्यवस्था किसी भी देश की आत्मा होती है। अस्पताल केवल भवन नहीं होते, वे जीवन की उम्मीद के केंद्र होते हैं। डॉक्टर केवल पेशेवर व्यक्ति नहीं होता, वह मौत और जीवन के बीच खड़ा वह संवेदनशील रक्षक होता है, जिस पर मनुष्य सबसे अधिक विश्वास करता है। लेकिन जब यही स्वास्थ्य व्यवस्था भ्रष्टाचार, फर्जीवाड़े, मुनाफाखोरी और अनैतिकता की गिरफ्त में आ जाए, तब समाज का विश्वास टूटने लगता है और चारों तरफ अंधेरा ही अंधेरा दिखाई देने लगता है। आज भारत में चिकित्सा क्षेत्र से जुड़ी जो घटनाएं सामने आ रही हैं, विशेषकर मध्यप्रदेश और राजस्थान की घटनाओं ने इसी भयावह यथार्थ को उजागर किया है।

भारत आज विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। वर्ष 2047 तक स्वतंत्रता के सौ वर्ष पूरे होने पर विकसित भारत, समृद्ध भारत और आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए अनेक योजनाएं बनाई जा रही हैं। आर्थिक प्रगति, डिजिटल क्रांति, आधारभूत ढांचे का विस्तार, तकनीकी उन्नयन और वैश्विक मंचों पर भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा आशा जगाती है। लेकिन इसी बीच स्वास्थ्य क्षेत्र में बढ़ती धांधलियां, फर्जी डॉक्टरों की नियुक्तियां, नकली दवाओं का कारोबार, अस्पतालों में मुनाफाखोरी और चिकित्सा सेवाओं का व्यवसायीकरण इस विकास यात्रा पर गहरे प्रश्नचिह्न खड़े कर रहे हैं। यदि नागरिकों का जीवन ही सुरक्षित नहीं रहेगा तो विकास के सारे दावे खोखले प्रतीत होंगे। मध्यप्रदेश के दमोह और जबलपुर के सरकारी अस्पतालों में फर्जी डॉक्टरों की नियुक्तियों का खुलासा किसी एक राज्य की प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि पूरे स्वास्थ्य तंत्र की कमजोरी का प्रतीक है। इससे भी अधिक चिंताजनक मामला राजस्थान मेडिकल काउंसिल में सामने आया, जहां ऐसे लोगों को डॉक्टर के रूप में पंजीकृत कर दिया गया जिन्होंने न मेडिकल शिक्षा प्राप्त की और न ही आवश्यक इंटर्नशिप की। यह केवल कागजी अनियमितता नहीं, बल्कि लोगों के जीवन से खिलवाड़ करने वाला गंभीर अपराध है। एक अयोग्य व्यक्ति जब डॉक्टर बनकर मरीजों के सामने बैठता है, तब वह इलाज नहीं करता, बल्कि मानव जीवन पर प्रयोग करता है, उसके कारण जिंदगी मौत में बदल जाती है।

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि ऐसे लोग व्यवस्था में प्रवेश कैसे कर जाते हैं? क्या कोई व्यक्ति अकेले इतना बड़ा फर्जीवाड़ा कर सकता है? निश्चित रूप से नहीं। इसके पीछे सत्यापन तंत्र की विफलता, विभागीय मिलीभगत और संस्थागत भ्रष्टाचार की परतें मौजूद होती हैं। जब मेडिकल काउंसिल, अस्पताल प्रशासन और परीक्षा एवं पंजीयन संस्थाओं की भूमिका संदेह के घेरे में आ जाए, तब यह स्पष्ट हो जाता है कि बीमारी केवल व्यक्ति में नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था में फैल चुकी है। आज चिकित्सा क्षेत्र का संकट केवल फर्जी डॉक्टरों तक सीमित नहीं है। निजी अस्पतालों में मुनाफाखोरी ने स्वास्थ्य सेवा के मानवीय स्वरूप को गंभीर क्षति पहुंचाई है। मरीज की विवशता को आर्थिक अवसर में बदल देने की प्रवृत्ति बढ़ी है। अनेक मामलों में अनावश्यक जांचें कराना, जरूरत न होने पर मरीजों को आईसीयू में भर्ती करना, वेंटिलेटर पर रखना, अत्यधिक बिल बनाना और उपचार को लंबा खींचना आम शिकायतें बन चुकी हैं। मरीज अस्पताल में इलाज के लिए जाता है, लेकिन कई बार आर्थिक और मानसिक शोषण का शिकार होकर लौटता है। चिकित्सा सेवा का मूल उद्देश्य पीड़ा दूर करना था, लेकिन कई स्थानों पर वह व्यापार और लाभ कमाने का माध्यम बन गई है।

सरकारी अस्पतालों की स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है। गरीब और जरूरतमंद नागरिकों के लिए बने इन संस्थानों में संसाधनों की कमी, कर्मचारियों की लापरवाही, भ्रष्टाचार और बिचौलियों की दखलअंदाजी ने व्यवस्था को कमजोर किया है। कई बार मुफ्त दवाएं मरीजों तक नहीं पहुंचतीं, मशीनें अनुपयोगी पड़ी रहती हैं, जांचों में देरी होती है और मरीज अस्पतालों के चक्कर लगाते-लगाते टूट जाता है। गरीब व्यक्ति के लिए बीमारी केवल शारीरिक पीड़ा नहीं रहती, बल्कि आर्थिक और मानसिक संकट भी बन जाती है। आज एक और गंभीर संकट सामने आया है-डॉक्टर बनने की अंधी दौड़ और शॉर्टकट संस्कृति। नीट जैसी परीक्षाओं में धांधलियों ने पहले ही देश को झकझोर दिया है। यदि प्रवेश प्रक्रिया ही संदिग्ध हो जाए और उसके बाद फर्जी डिग्रीधारी डॉक्टर व्यवस्था में प्रवेश करने लगें, तो यह पूरे चिकित्सा तंत्र की विश्वसनीयता को समाप्त कर देगा। डॉक्टर बनने के पीछे वर्षों की कठिन पढ़ाई, प्रशिक्षण, अनुशासन और संवेदनशीलता की साधना होती है। लेकिन यदि इस प्रक्रिया को धन, भ्रष्टाचार और जालसाजी से बदल दिया जाएगा तो परिणाम केवल भयावह ही होंगे। यह स्थिति केवल स्वास्थ्य संकट नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक विश्वास का संकट भी है। जब नागरिक डॉक्टर की योग्यता पर संदेह करने लगें, अस्पतालों में भय के साथ प्रवेश करें और दवा खरीदते समय उसकी प्रामाणिकता को लेकर आशंकित रहें, तब यह किसी भी राष्ट्र के लिए खतरनाक संकेत है। स्वास्थ्य व्यवस्था में विश्वास टूटना समाज की आत्मा पर चोट पहुंचाने जैसा है।

वर्ष 2047 का विकसित भारत केवल आर्थिक समृद्धि से नहीं बनेगा। वह तभी बनेगा जब नागरिक स्वयं को सुरक्षित महसूस करेंगे, जब अस्पताल आशा के केंद्र बनेंगे, जब दवा पर विश्वास होगा और जब डॉक्टर का नाम सुनते ही श्रद्धा और भरोसा जागेगा। सड़कें, उद्योग, तकनीक और पूंजी महत्वपूर्ण हैं, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण मनुष्य का जीवन है। यदि जीवन ही सुरक्षित नहीं रहेगा तो विकास का कोई भी सपना अधूरा रह जाएगा। मेडिकल जैसे पवित्र पेशे में घुस चुके भ्रष्टाचार, फर्जीवाड़े और अनैतिकता के इस कैंसर का उपचार समय रहते करना होगा। यह केवल कानून का प्रश्न नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चरित्र का प्रश्न है। यदि हमने समय रहते कठोर निर्णय नहीं लिए तो फर्जी चिकित्सकों, नकली दवाओं और मुनाफाखोरी का यह जाल समाज के विश्वास को पूरी तरह निगल जाएगा। विकसित भारत की यात्रा में स्वास्थ्य व्यवस्था की पारदर्शिता, शुचिता, जवाबदेही और मानवीयता सबसे बड़ी आवश्यकता है, क्योंकि जहां जीवन सुरक्षित नहीं, वहां विकास का कोई भी स्वप्न स्थायी नहीं हो सकता।

महत्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रधानमंत्री मोदी यात्रा करेंगे तो एस्टोनिया को 'बहुत खुशी' होगी : मार्गस

तालिन्न/भाषा। एस्टोनिया के विदेश मंत्री मार्गस त्साहकना ने भारत और एस्टोनिया के बीच द्विपक्षीय संबंधों को गहरा करने के लिए भारत से और अधिक उच्च स्तरीय यात्राओं का आह्वान किया और कहा है कि अगर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस उत्तरी यूरोपीय देश का दौरा करते हैं तो एस्टोनिया को ''बहुत खुशी' होगी।

त्साहकना ने यहां 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक विशेष साक्षात्कार में कहा कि एस्टोनिया 2027 में यूक्रेन पुनर्निर्माण सम्मेलन का आयोजन कर रहा है और उन्होंने उम्मीद जताई कि भारत भी युद्धग्रस्त देश यूक्रेन की पुनर्निर्माण प्रक्रिया का हिस्सा बनेगा।

एस्टोनिया के विदेश मंत्री ने कहा, ''भारत एस्टोनिया का एक बहुत अहम साझेदार है। हमारे स्तर बिल्कुल अलग हैं, एस्टोनिया की जनसंख्या 13 लाख है जबकि भारत की जनसंख्या 14 अरब है। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र भी है। हमारे राष्ट्रपति (अलार कारिस) फरवरी में एआई शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए भारत में थे। व्यापारिक दृष्टि से हमारे द्विपक्षीय संबंध मजबूत हो रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''चाहे रक्षा उद्योग हो, आईटी हो या एआई , एस्टोनिया निवेश के लिए एकदम सही जगह है। हमारे पास ई-रेजिडेंसी कार्यक्रम है जिसके माध्यम से भारतीय कंपनियां और लोग निवासी बन सकते हैं और हमारे शानदार स्टार्टअप वातावरण का हिस्सा बन सकते हैं।''

त्साहकना ने कहा, ''मैं भारत की आर्थिक वृद्धि और आर्थिक विकास पर भारतीय सरकार के नेतृत्व को देख रहा हूं। ये ऐसा है जिसमें हमारी कंपनियां बहुत रुचि रखती हैं।'' ई-रेज़िडेंसी कार्यक्रम विदेशी नागरिकों को सरकार की तरफ से जारी एक सुरक्षित डिजिटल पहचान देता है। इसके माध्यम से उद्यमी पूरी तरह ऑनलाइन तरीके से ईयू आधारित कोई कंपनी स्थापित कर सकते हैं और उसका प्रबंधन कर सकते हैं, ताकि दुनिया में कहीं से भी दस्तावेज दस्तखत करने, बैंकिंग और टैक्स फाइलिंग जैसी प्रक्रियाएं आसान हो जाती हैं। मंत्री ने कहा कि द्विपक्षीय संबंधों के विस्तार की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा, ''हम वैश्विक प्रवृत्ति देख रहे हैं, भारत इस क्षेत्र में अधिक से अधिक अग्रणी भूमिका निभा रहा है। एस्टोनिया, भारतीय कंपनियों के लिए ईयू बाजारों का प्रवेश द्वार है। इसलिए दोनों तरफ से दिलचस्पी है।''

यह पूछे जाने पर कि क्या संबंधों को मजबूत करने के लिए और अधिक उच्च स्तरीय दौरों की आवश्यकता है और क्या प्रधानमंत्री मोदी भविष्य में एस्टोनिया का दौरा कर सकते हैं, तो त्साहकना ने कहा कि उनका देश ऐसे दौरे का गर्मजोशी से स्वागत करेगा। उन्होंने कहा, ''अगर प्रधानमंत्री मोदी एस्टोनिया आते हैं तो हमारे देश को बहुत खुशी होगी। हम उनका हार्दिक स्वागत करेंगे और विदेश मंत्री (एस. जयशंकर) का भी स्वागत है। एस्टोनिया में जितने अधिक उच्च स्तरीय दौरे होंगे, उतना ही अच्छा होगा।''

अब तक भारत से किसी भी प्रधानमंत्री ने एस्टोनिया का दौरा नहीं किया है। त्साहकना ने कहा कि एस्टोनिया भारत के राजनीतिक क्षेत्र के लोगों के साथ कारोबारी शिष्टमंडलों के स्वागत को लेकर उत्सुक है। उन्होंने कहा, ''हम उम्मीद करते हैं कि वे कारोबारी प्रतिनिधिमंडल के साथ आएंगे क्योंकि हम उनके लिए कई द्वार खोल सकते हैं और गारंटी दे सकते हैं कि उनका स्वागत होगा... मुझे भारत से अधिक से अधिक उच्चस्तरीय बैठकों की उम्मीद है।''

वित्तीय समावेश बढ़ाने को भीम ऐप की फीचर फोन तक पहुंच बढ़ाने पर काम जारी

कोलकाता/भाषा। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी एनपीसीआई भीम सर्विसेज लि. भीम ऐप की पहुंच को फीचर फोन तक बढ़ाने को लेकर काम कर रही है। इस पहल का मकसद बाजार हिस्सेदारी को दोगुना करने के साथ वित्तीय समावेश को बढ़ाने और वित्तीय उत्पाद वितरण के माध्यम से राजस्व में विविधता लाना है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह बात कही।कंपनी की प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ललिता नटराज ने कहा कि वित्तीय समावेश और राजस्व विविधीकरण पर केंद्रित एक व्यापक विकास रणनीति अपनाकर, कंपनी एक 'रेफरेंस ऐप' से एक प्रमुख बाजार प्रतिस्पर्धी बनने की दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने एक रूपरेखा प्रस्तुत की जिसमें वित्तीय उत्पादों के वितरण के लिए बैंकों के साथ साझेदारी करना और व्हाइट-लेबलिंग रणनीति के माध्यम से भीम की तकनीक को बैंक मोबाइल एप्लिकेशन में एकीकृत करना शामिल है।व्हाइट लेबल रणनीति एक ऐसा व्यावसायिक मॉडल है जिसमें एक कंपनी किसी उत्पाद या सेवा का निर्माण करती है, लेकिन दूसरी कंपनी उसे खरीदकर अपने ब्रांड नाम से बेचती है। भीम ऐप को मूल रूप से यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस) सुविधाओं के परीक्षण के लिए पेश किया गया थौ।

महाकुंभ के दौरान सुर्खियों में आई युवती ने पति के साथ मप्र उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया

इंदौर/भाषा। प्रयागराज में वर्ष 2025 के दौरान आयोजित महाकुंभ के दौरान सुर्खियों में आने के बाद फिल्म अभिनेत्री बनी एक युवती ने अपने पति के साथ मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ में याचिका दायर की है।

संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत दायर याचिका में युवती के जन्म रिकॉर्ड में आपराधिक साजिश के तहत हेर-फेर किए जाने और लोगों को सांप्रदायिक आधार पर उकसाए जाने के आरोप लगाए गए हैं। इसके साथ ही, मामले की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच की गुहार की गई है।

अंतरधार्मिक विवाह करने वाले युवा दंपति ने याचिका में कहा कि प्रेम संबंधों के आधार पर शादी के बाद उन्हें प्रताड़ना का सामना करना पड़ रहा है। याचिका में दावा किया गया है कि मध्यप्रदेश से ताल्लुक रखने वाली युवती की वास्तविक जन्मतिथि एक जनवरी 2008 है और राज्य के महेश्वर की नगर पंचायत के जारी जन्म प्रमाणपत्र, आधार कार्ड, पैन कार्ड और अन्य सरकारी दस्तावेजों में यही जन्मतिथि दर्ज है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि युवती के जन्म रिकॉर्ड में हेर-फेर करके उसकी जन्मतिथि एक जनवरी 2009 दर्शायी गई ताकि शादी के वक्त उसे नाबालिग साबित किया जा सके। याचिका के साथ दंपति ने केरल सरकार द्वारा जारी विवाह प्रमाण पत्र भी पेश किया है। इसमें दर्ज जानकारी के मुताबिक दोनों का विवाह 11 मार्च 2026 को केरल के एक मंदिर में हुआ था और प्रमाण पत्र में युवती की जन्मतिथि एक जनवरी 2008 दर्ज है। यानी इस जन्मतिथि के आधार पर विवाह के समय युवती की उम्र 18 वर्ष दो माह थी।

याचिका में कहा गया है कि विवाह के बाद युवती के परिजनों ने इस रिश्ते का विरोध किया और उसे गलत आधार पर नाबालिग बताया। याचिका में आरोप लगाया गया है कि युवती के मूल जन्म प्रमाणपत्र को बिना वैधानिक प्रक्रिया अपनाए सरकारी पोर्टल से निरस्त कर दिया गया और बदले गए रिकॉर्ड के आधार पर मध्यप्रदेश के एक पुलिस थाने में उसके मुस्लिम पति के खिलाफ अपहरण और अन्य गंभीर आरोपों में झूठी प्राथमिकी दर्ज करा दी गई। दंपति ने याचिका में यह आरोप भी लगाया है कि सोशल मीडिया और कुछ संगठनों के माध्यम से उनके अंतरधार्मिक विवाह को 'लव जिहाद' से जोड़कर सांप्रदायिक रंग दे दिया गया जिससे उनकी सुरक्षा को खतरा पैदा हो गया।

दंपति के वकील बीएल नागर ने बुधवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि उन्होंने उच्च न्यायालय की एक अवकाशकालीन पीठ से अपने पक्षकारों की याचिका पर जल्द सुनवाई का अनुरोध किया है और इस पर अगले हफ्ते सुनवाई हो सकती है। उन्होंने कहा कि उनके दोनों पक्षकार फिल्म जगत से जुड़े हैं और केरल में एक फिल्म की शूटिंग के दौरान प्रेम संबंध पनपने के बाद इस जोड़े ने शादी कर ली थी। 'लव जिहाद' शब्द का इस्तेमाल दक्षिणपंथी संगठन यह दावा करने के लिए करते हैं कि मुस्लिम पुरुष अन्य धर्मों की महिलाओं को इस्लाम में धर्मांतरित करने के लिए प्रेम के जाल में फंसाते हैं।

हर लड़की को अपना हीरो खुद बनना होगा : कंगना रनौत

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत ने ट्विशा शर्मा मौत मामले में प्रतिक्रिया देते हुए समाज और परिवारों की सोच पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि शादी से पहले महिलाओं का आर्थिक रूप से मजबूत बनना बेहद जरूरी है। मेरी सलाह है कि महिलाओं को सबसे पहले अपने करियर और आत्मनिर्भरता पर ध्यान देना चाहिए। कंगना रनौत ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट किया, ''लगभग हर दिन शादीशुदा महिलाओं से जुड़ी दुखद खबरें सामने आती हैं। कई बार जवान, पढ़ी-लिखी महिलाएं भी अपने माता-पिता से मदद की गुहार लगाती हैं कि वे उन्हें मुश्किल हालात से बाहर निकाल लें, लेकिन भारतीय समाज शादी के बाद बेटियों को छोड़ने के लिए बदनाम है।'' कंगना रनौत ने कहा, जब एक महिला अपने पैरों पर खड़ी होती है, तब वह जिंदगी के फैसले ज्यादा आत्मविश्वास और मजबूती के साथ ले पाती है। सोशल मीडिया, फैशन, डेटिंग, शादी और मेकअप की दुनिया अक्सर लड़कियों को सिर्फ बाहरी चीजों की तरफ आकर्षित करती है, लेकिन बहुत कम लोग उन्हें यह बताते हैं कि असली ताकत आत्मनिर्भर बनने में है।

महिलाओं के लिए उनका करियर और उनकी पहचान किसी भी रिश्ते से ज्यादा महत्वपूर्ण होनी चाहिए।'' भाजपा सांसद ने कहा, ''हर लड़की को अपना हीरो खुद बनना होगा। जिंदगी में कोई दूसरा आकर किसी को बचाने नहीं वाला। यह ज्यादा जरूरी है कि एक महिला खुद क्या बनती है और अपनी जिंदगी किस तरह जीना चाहती है, बजाय इसके कि वह किससे शादी करती है।'' कंगना ने महिलाओं से अपील की कि वे अपनी पसंद की जिंदगी बनाएं और दूसरों की बातों में आकर अपने सपनों को पीछे न छोड़ें।

लगातार सीखना और जमीन से जुड़े रहना ही असली विकास : सई मांजरेकर

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री सई मांजरेकर फिल्ममेकर महेश मांजरेकर की बेटी हैं और धीरे-धीरे इंडस्ट्री में अपना नाम बना रही हैं। सई का मानना है कि भले ही उनके पिता इंडस्ट्री का बड़ा नाम हैं, लेकिन आने वाले समय में केवल अनुशासन, काम के प्रति लगन और कड़ी मेहनत ही उनकी सफलता की पूंजी होगी। अपनी यात्रा को लेकर अभिनेत्री ने कहा, मैं हमेशा से अपने फिल्मी बैकग्राउंड के आराम से बाहर निकलकर अपनी खुद की पहचान बनाना चाहती थी। मेरे लिए, विकास लगातार सीखने, अपने काम के जरिए खुद को साबित करने और इन सबके बीच जमीन से जुड़े रहने से आता है। अभिनेत्री ने आगे बताया कि हर किसी की यात्रा चुनौतियों के साथ आती है और उसकी तुलना करने के बजाय हमें अपने विकास पर ध्यान देना चाहिए। अभिनेत्री सई मांजरेकर बचपन से ही डांस के प्रति गहरी रुचि रखती थीं और अभिनय की दुनिया में आने से पहले उन्होंने अपने पिता की फिल्म 'अस्तित्व' (2018) में एक सहायक निर्देशक के रूप में भी काम किया था। इसके बाद साल 2019 में दबंग-3 में 'खुशी चौटाला' की भूमिका से बॉलीवुड में डेब्यू किया और अपनी पहली ही फिल्म से दर्शकों का ध्यान खींचा। अभिनेत्री जल्द ही पैन-इंडिया पीरियड ड्रामा फिल्म 'इंडिया हाउस' में नजर आएंगी। यह फिल्म 1905 के लंदन में स्वतंत्रता-पूर्व काल की वास्तविक घटनाओं पर आधारित एक पीरियड ड्रामा है, जो प्रेम और क्रांति की भावना को दर्शाती है, जिसकी शूटिंग हिंदी और तेलुगु दोनों भाषाओं में हुई है। सई मांजरेकर इसमें 'सती' नाम की लड़की का किरदार निभा रही हैं। उनका लुक काफी पारंपरिक है। फिल्म में सई के साथ निखिल सिद्धार्थ मुख्य भूमिका में हैं, और दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इस फिल्म का निर्माण सुपरस्टार राम चरण की कंपनी द्वारा किया जा रहा है।

इरफान खान की 'हिंदी मीडियम' के नौ साल पूरे, मेकर्स ने शेयर किया आइकॉनिक वीडियो

मुंबई/एजेन्सी

हिंदी सिनेमा की लोकप्रिय और सामाजिक-व्यंग्य फिल्म 'हिंदी मीडियम' ने अपनी रिलीज के नौ साल पूरे कर लिए हैं। इस खास मौके पर मंगलवार को मेकर्स ने फिल्म से जुड़ी यादों को ताजा किया। मैडॉक फिल्म्स ने इंस्टाग्राम पर दिवंगत अभिनेता इरफान खान का एक बेहद लोकप्रिय वीडियो क्लिप शेयर किया। इसमें इरफान खान प्राइवेट स्कूलों की मनमानी और उनके दिखावे पर तंज कस रहे हैं। वीडियो पोस्ट कर मेकर्स ने लिखा, पढ़ाई की भाषा: हिंदी या अंग्रेजी नहीं, सिर्फ एहसास। साल 2017 में रिलीज हुई फिल्म 'हिंदी मीडियम' समाज की उस कड़वी सच्चाई को दिखाती है, जहां अंग्रेजी बोलना ही इंसान की काबिलियत का पैमाना मान लिया जाता है। फिल्म में दिखाया गया था कि कैसे एक माता-पिता अपनी बेटी को एक बड़े अंग्रेजी मीडियम स्कूल में एडमिशन दिलाने के लिए हर संभव कोशिश करते हैं, और इस चक्कर में उन्हें किस तरह की दिक्कतों और धोखेबाजी का सामना करना पड़ता है। फिल्म की कहानी दिल्ली के चांदनी चौक में रहने वाले एक व्यवसायी राज (इरफान खान) और उनकी पत्नी मीता (सबा कमर) के इर्द-गिर्द घूमती है। मीता अपनी बेटी 'पिया' को शहर के सबसे प्रतिष्ठित और महंगे इंग्लिश-मीडियम स्कूल में पढ़ाना चाहती है ताकि उनकी बेटी उच्च वर्ग का हिस्सा बन सके और समाज में उनकी प्रतिष्ठा बढ़े। इसके लिए वे अपने तौर-तरीके बदलने की कोशिश करते हैं, लेकिन असफल रहते हैं। अंत में, वे एक 'गरीब कोटे' के तहत अपनी बेटी का एडमिशन कराने के लिए झूठा नाटक करते हैं और झुग्गी-झोपड़ियों में रहने लगते हैं। इस प्रक्रिया में उनकी मुलाकात एक सच्चे गरीब व्यक्ति (दीपक डोबरियाल) से होती है, जिसके बाद उन्हें जीवन और शिक्षा का असली अर्थ समझ आता है।इस फिल्म में इरफान खान के अभिनय को हर वर्ग ने सराहा था। उनका सहज अभिनय और डायलॉग डिलीवरी इतनी दमदार थी कि लोग आज भी इस फिल्म के दृश्यों को भूल नहीं पाए हैं। साकेत चौधरी द्वारा निर्देशित फिल्म में इरफान खान और सबा कमर मुख्य भूमिका में नजर आए थे।

इतने लोगों के बीच मैं तन्हा कैसे महसूस कर सकता हूं : सलमान खान

मुंबई/एजेन्सी

अक्सर देखा जाता है कि लोग सेलिब्रिटीज के बयानों का अपनी सहूलियत के हिसाब से मतलब निकाल लेते हैं। ऐसा ही कुछ अभिनेता सलमान खान के साथ हुआ, जिस पर उन्हें खुद सफाई देनी पड़ी। सोमवार को अभिनेता ने सोशल मीडिया के जरिए स्पष्ट किया कि अकेलेपन को लेकर दिया गया उनका बयान सिर्फ एक सामान्य विचार था, न कि उनकी असल जिंदगी या किसी व्यक्तिगत समस्या का संकेत। सलमान खान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक नोट साझा करते हुए लिखा, अरे यार, मैं अपने बारे में बात नहीं कर रहा था। मैं अकेला कैसे हो सकता हूं, जब मेरे पास इतना बड़ा परिवार और शानदार दोस्त हैं? मैं अकेलापन कैसे महसूस कर सकता हूं, जब मेरे पास आप लोग, आपकी शुभकामनाएं और दुआएं हैं? इतना सब होने के बावजूद अगर मैं फिर भी अकेला महसूस करूं, तो मैं दुनिया का सबसे बड़ा 'ना-शुक्रा' इंसान होऊंगा। अभिनेता ने आगे स्पष्ट करते हुए बताया कि कभी-कभी उनकी 'सोशल बैटरी' खत्म हो जाती है और वह लोगों से ज्यादा बातचीत नहीं कर पाते। इसलिए वह कुछ समय अकेले बिताना पसंद करते हैं। उन्होंने कहा, कभी-कभी लोगों के साथ रहकर मैं थक जाता हूं, इसलिए मुझे कुछ समय अकेले चाहिए होता है। लोगों ने इसे बड़ी खबर बना दिया। मम्मी पूछ रही हैं, 'क्या हुआ बेटा?' तुम बस चिल करो। बता दें कि इससे पहले सलमान खान ने सोशल मीडिया पर अकेले होने और अकेलापन महसूस करने के बीच के अंतर को समझाते हुए एक पोस्ट किया था, जिसके बाद अभिनेता को लेकर चर्चाएं तेज हो गई थीं। इसके बाद उन्हें अपनी बात स्पष्ट करने के लिए एक और पोस्ट करना पड़ा।अभिनेता जल्द ही फिल्म 'मातृभूमि' में नजर आएंगे।

यह फिल्म मूल रूप से 17 अप्रैल को रिलीज होने वाली थी, लेकिन देरी के कारण इसे आगे बढ़ा दिया गया है। इसे लेकर कयास लगाए जा रहे हैं कि यह जून से लेकर अगस्त के बीच (संभावित स्वतंत्रता दिवस वीकेंड) सिनेमाघरों में दस्तक दे सकती है।

लॉन्च सेरेमनी

वाइस चीफ ऑफ़ द नेवल स्टाफ वाइस एडमिरल संजय वात्स्यायन, बाएं से दूसरे, अपनी पत्नी सरिता वात्स्यायन, दाएं से दूसरे, और गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर कमोडोर पीआर हरि (रिटायर्ड), बाएं, जीआरएसई लिमिटेड द्वारा भारत के पहले नेक्स्ट जेनरेशन ऑफशोर पेट्रोल वेसल यार्ड 3039 के लॉन्च सेरेमनी के दौरान।

विरोध

इंडियन सेक्युलर फ्रंट के सदस्यों ने बुधवार को कोलकाता में कथित वोटर लिस्ट के मुद्दे पर चीफ इलेक्शन ऑफिसर के ऑफिस की ओर बारिश के बीच प्रोटेस्ट मार्च निकाला।

महिला निर्देशक के साथ काम करने में खुद को ज्यादा सहज महसूस किया : ज्योतिका

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री ज्योतिका इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'सिस्टम' को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। फिल्म जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने वाली है और इसी वजह से पूरी टीम इसके प्रमोशन में बिजी है। मुंबई में हुए प्रमोशनल इवेंट के दौरान ज्योतिका ने आईएएनएस से फिल्म, अपने किरदार और निर्देशक के साथ काम करने के अनुभव को लेकर बात की। इस दौरान उनके साथ अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा भी मौजूद थीं। आईएएनएस से बातचीत के दौरान ज्योतिका ने फिल्म की निर्देशक अश्विनी अय्यर तिवारी की तारीफ की और बताया कि महिला निर्देशक के साथ काम करने का अनुभव उनके लिए काफी अलग और बेहद आरामदायक रहा। ज्योतिका ने कहा, ''सेट पर मुझे एक अलग तरह की सहजता महसूस हुई। मैं यह बात बहुत गर्व के साथ कह सकती हूं कि महिला निर्देशक के साथ काम करना ज्यादा कंफर्टेबल लगा। कई बार कलाकारों के मन में कुछ विचार होते हैं, जिन्हें वे चाहते हैं कि स्क्रीन पर सही तरीके से दिखाया जाए। अश्विनी अय्यर तिवारी ने हमें उसी नजरिए से समझा और स्क्रीन पर पेश किया।''

अभिनेत्री ने आगे कहा, ''फिल्म में कुछ ऐसे सीन्स भी थे, जिन्हें चाहें तो ज्यादा ग्लैमरस बनाया जा सकता था ताकि दर्शकों का ध्यान जल्दी खींचा जा सके। लेकिन, निर्देशक ने ऐसा करने के बजाय किरदारों की गरिमा को प्राथमिकता दी। मुझे सबसे ज्यादा यही बात पसंद आई कि फिल्म में मुझे और सोनाक्षी सिन्हा को बहुत सम्मानजनक तरीके से दिखाया गया।'' ज्योतिका ने फिल्म में अपने किरदार को लेकर भी विस्तार से बात की। उन्होंने कहा, मैं फिल्म में एक स्टेनोग्राफर की भूमिका निभा रही हूं। इस किरदार के लिए मुझे टाइपिंग और स्क्रीन के सामने लगातार काम करते हुए दिखना था। कई बार कैमरे में लैपटॉप का कीबोर्ड ही नजर नहीं आता था, इसलिए मेरा पूरा ध्यान टाइपिंग से ज्यादा अभिनय और भावनाओं को सही तरीके से दिखाने पर होता था।'' उन्होंने कहा, ''आज के समय में लगभग हर व्यक्ति मोबाइल, लैपटॉप और दूसरे गैजेट्स का इस्तेमाल करता है, इसलिए कंप्यूटर पर काम करना मेरे लिए नया अनुभव नहीं था। किरदार को वास्तविक दिखाने के लिए मुझे टाइपिंग स्पीड पर थोड़ा ध्यान देना पड़ा और उसी दौरान चेहरे के एक्सप्रेशन भी बनाए रखने होते थे।'' अभिनेत्री ने कहा, ''इस रोल के लिए मुझे ज्यादा तैयारी की जरूरत नहीं पड़ी, लेकिन कुछ छोटी-छोटी चीजों पर मेहनत करनी पड़ी। इस किरदार में सबसे अहम चीज भावनाओं को सही तरीके से दिखाना था।'' फिल्म 'सिस्टम' 22 मई को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी।

मेहनत से मिलती है कामयाबी : हुमा कुरैशी

मुंबई । बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी इन दिनों कान्स फिल्म फेस्टिवल में अपना जलवा बिखेर रही हैं। मंगलवार को अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर अपना नया लुक शेयर किया, जिसके साथ उन्होंने आज की भारतीय महिला की पहचान को लेकर एक बेहद दिलचस्प और दिल छू लेने वाली बात कही है। हुमा ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर इस लेटेस्ट लुक की कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में वे ब्लैक कलर के खूबसूरत वनपीस आउटफिट में नजर आ रही हैं। अपनी इस पोस्ट में उन्होंने लिखा, मेरे लिए एक आधुनिक भारतीय महिला होने का मतलब परफेक्ट होना नहीं है, बल्कि अपनी जड़ों (संस्कृति) को छोड़े बिना अपनी मेहनत के दम पर दुनिया में धीरे-धीरे आगे बढ़ना है। खुद को बदले बिना दुनिया में अपनी एक अलग और नई पहचान बनाना ही सबसे बड़ी खूबी है। हुमा ने महिलाओं का हौसला बढ़ाते हुए लिखा, जीवन में मुश्किलों से डरने के बजाय उन्हें अपनी असली ताकत बनाना चाहिए। अपने सपनों को खुलकर और खूबसूरती से जीना जरूरी है। जब आप किसी ऊंचे मुकाम पर पहुंचें, तो आपके मन में यह पक्का विश्वास होना चाहिए कि आप यहां सिर्फ अपनी किस्मत के भरोसे नहीं, बल्कि अपनी कड़ी मेहनत के दम पर पहुंची हैं।

अभिनेत्री ने आखिर में लिखा कि हर महिला को हमेशा पूरी सच्चाई और आत्मविश्वास के साथ अपनी जिंदगी जीनी चाहिए। उन्होंने लिखा, जिंदगी में जब भी कोई नया मोड़ आए, तो उसे अपनी सकारात्मकता से खास बना देना चाहिए। फिर मिलेंगे कान्स में। अभिनेत्री हुमा कुरैशी जल्द ही 'टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' में नजर आएंगी। यश की इस बहुचर्चित पीरियड गैंगस्टर ड्रामा फिल्म में अभिनेत्री 'एलिजाबेथ' का किरदार निभा रही हैं। गीतु मोहनदास के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में उनका लुक बेहद रहस्यमयी और शाही है। यह फिल्म 1940 से 1970 के दशक के बीच के गोवा पर आधारित एक डार्क गैंगस्टर ड्रामा है। इसमें क्राइम सिंडिकेट, ड्रग तस्करी और सत्ता की लड़ाई दिखाई जाएगी। फिल्म में यश के साथ कियारा आडवाणी, नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मणी वसंत भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

तेरापंथ सभा आरआरनगर के नए अध्यक्ष ने संतों के दर्शन किए

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय तेरापंथी सभा राजराजेश्वरीनगर के नव मनोनीत अध्यक्ष कमल दुगड़ ने अपने मनोनयन के बाद पांडवपुरा मैसूरु में विराजित मुनिश्री विनीत कुमारजी, आकाश कुमारजी, हितेंद्र कुमारजी एवं पुनीतकुमारजी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मुनिवृंदों ने नवमनोनीत अध्यक्ष को आशीर्वचन देते हुए भावी कार्यकाल के हेतु शुभकामनाएं दी। निवर्तमान अध्यक्ष राकेश छाजेड़ एवं टीम ने मुनिवृन्द को मंत्री प्रतिवेदन की प्रति भेंट की। साथ ही राजराजेश्वरीनगर सभा के राजेश छाजेड़, गुलाब बाँठिया, बुधमल बैंगाणी, विनोद बोथरा, अमित नौलखा, सुशील भंसाली(छापर) एवं अशोक कोठारी ने भी मुनियों के दर्शन किए तथा शीघ्र ही बेंगलूरु पहुंचने का निवेदन किया। मुनिश्री से आरआर नगर में होने वाले उनके चातुर्मास के संदर्भ में विभिन्न कार्यक्रमों पर विशेष चर्चा हुई।

जेसीआई बेंगलूरु कॉस्मो के सदस्यों ने थाईलैंड यात्रा सम्पन्न की

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। जेसीआई बेंगलूरु कॉस्मो द्वारा 54 सदस्यों के लिए आयोजित 5 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय यात्रा 'चलो थाईलैंड' का समापन हुआ। यात्रा के दौरान सभी सदस्यों ने थाईलैंड के विभिन्न पर्यटन स्थलों का भम्रण कर आपसी मैत्री एवं सौहार्द को और मजबूत किया।

श्वेता राखेचा एवं प्रोजेक्ट संयोजिका विशाल जैन के नेतृत्व में आयोजित इस यात्रा में अध्यक्ष ललिता बोथरा ने सहयोग प्रदान किया। यात्रा में संस्था की सचिव रीना गांधी, कोषाध्यक्ष दीपिका जैन, संयुक्त सचिव दीपक जैन एवं पूर्व अध्यक्ष सुनील जैन आदि उपस्थित थे।

देवी उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के कनकनगर स्थित पलेकम्मा भक्ति वृंदा संघ द्वारा आयोजित शक्ति स्वरूपिणी पलेकम्मा देवी पूजा उत्सव में विजयनगर के मारुति मेडिकल्स के प्रमुख महेंद्र मुणोत ने विशेष अतिथि के रूप में देवी की पूजा की और आशीर्वाद प्राप्त किया। मुणोत ने उपस्थित विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री वितरित की। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

ज्ञान का प्रकाश व्यक्ति को संसार में भटकने से बचाता है : आचार्यश्री पार्श्वचंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। 'नवकार महामंत्र में नमन किए जाने वाले चौथे परमेष्ठि 'उपाध्याय' भव्य जीवों को अज्ञान के अंधकार से हटाकर ज्ञान के प्रकाश में लाते है। ज्ञान का प्रकाश ही सच्चा प्रकाश है, जो आत्मा को मोक्ष मार्ग प्रदर्शित करता है और अनादिकाल से चली आ रही दुखों की श्रृंखला से मुक्ति के पथ पर बढ़ाता है।' यह विचार आचार्यश्री पार्श्वचंद्रजी ने गणेशबाग में पंद्रह दिवसीय आत्म आराधना उपधान प्रथम सोपान साधना में श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने चौथे परमेष्ठि उपाध्याय की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि उपाध्याय ज्ञान के भण्डार होते हैं। वे जिनवाणी के अपार ज्ञान सागर से चुने हुए अनमोल रत्न निकालकर हमें प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार अंधा व्यक्ति सामने बहुमूल्य रत्न होने पर भी उसका महत्व नहीं समझ सकता है और उसे गवाँ सकता है, उसी प्रकार अज्ञानी भी मोक्ष मार्ग को नहीं समझ पाने के कारण उसकी सम्यक साधना नहीं कर पाता है और महान आध्यात्मिक लाभ से वंचित रह जाता है। डॉ. पदमचंद्रमुनिजी ने उपधान आराधकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि भगवान महावीर ने जन से जिन बनने का मार्ग बताया। जो क्रोध, मान, माया, लोभ, राग, द्वेष आदि आतंरिक शत्रुओं को जीत लेता है और आत्मगुणों की घात करने वाले चार घाती कर्मों पर विजय प्राप्त कर लेता है वह जिन कहलाता है।

उन्होंने बताया कि जिनवाणी की सम्यक आराधना कर हम भी जिन बन सकते हैं। जो जिनेश्वर द्वारा प्ररूपित जिनवाणी को श्रवण कर उसे जीवन में उतारते हैं वो जिनोपासक कहलाते हैं। जयकलशमुनिजी एवं जयसुबोधमुनिजी ने प्रेरक गीतिका प्रस्तुत की। जयधुरंधरमुनिजी ने संवर भावना का वर्णन करते हुए कहा कि कर्मों के आवरणों को आने से संवर रोक देता है।

उपधान तप की साधना संवर पूर्वक साधना है जो कर्म बंधनों को आत्मा से हटाती है। उपधान की साधना आत्मा में आध्यात्म के आलोक एवं एक नए उत्साह का संचार करती है जो आत्मा को अनंत सुख प्राप्ति की ओर आगे बढ़ाता है।

जयपुरंदरमुनिजी ने 14 नियमों पर विवेचन करते हुए अचित्त, द्रव्य, विगय आदि की मर्यादा की प्रेरणा दी। प्रातः समणी निदेशिका सुयशनिधिजी ने अणुप्पेहा ध्यान साधना का प्रशिक्षण दिया। प्रचार प्रसार प्रभारी जेके महावीरचंद चोरड़िया ने गतिविधियों की जानकारी दी। उपधान आराधकों ने सुचारु रूप से अपनी दैनिक आराधना सम्पन्न की।

जयमल जैन श्रावक संघ बेंगलूरु के अध्यक्ष मीठालाल लोढ़ा, मंत्री मनोहरलाल डूंगरवाल, सहमंत्री महेंद्रकुमार मेहता ने राजाजीनगर संघ के अध्यक्ष जसवंतराज छाजेड़, मंत्री विनयकुमार बम्ब, कोषाध्यक्ष पारसमल भलगट, सहमंत्री प्रकाशचंद भलगट, गुलाबचंद पगारिया, विनोद डांगी, सुशील कोठारी का सम्मान किया।

पुडुचेरी: जिपमेर के एक विभागाध्यक्ष के विरूद्ध महिला डॉक्टर के आरोप पर समिति ने कार्रवाई की संस्तुति की

नई दिल्ली/भाषा। पुडुचेरी के प्रतिष्ठित जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान की आंतरिक शिकायत समिति ने एक विभागाध्यक्ष को कनिष्ठ महिला डॉक्टर के खिलाफ अपने पद का दुरुपयोग करने का दोषी पाया है। समिति की जांच रिपोर्ट में यह निष्कर्ष निकाला गया है। हालांकि यौन उत्पीड़न का विशिष्ट आरोप साबित नहीं हो सका, फिर भी प्रतिवादी (विभागाध्यक्ष) का समग्र आचरण स्पष्ट रूप से पेशेवर कदाचार को दर्शाता है।

जो आत्मबल को मजबूत बनाए वही होता है धर्म : राष्ट्रसंत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के अलसूर स्थित जैन स्थानक में आयोजित वीरांगना सम्मान समारोह में उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए राष्ट्रसंतश्री कमलमुनिजी कमलेश ने अपने प्रवचन में कहा कि भावों में मंगल भावना हो तो बाहर का अमंगल भी मंगल के रूप में परिवर्तित हो जाता है और भावों में अमंगल है तो बाहर का मंगल भी अमंगल के रूप में बदल जाएगा। वस्तु व्यक्ति और स्थान में मंगल-अमंगल की कामना करना उससे उत्साहित और भयभीत होना अज्ञान दशा है।

जिसके माध्यम से मनोबल टूटता है वह पाप की श्रेणी में है और जिसके माध्यम से आत्म बल मजबूत होता हो वह धर्म की परिधि में आता है। अंधविश्वास सबसे खतरनाक शत्रु है। आध्यात्मिक साधना और अंधविश्वास एक साथ नहीं रह सकते। राष्ट्रसंत ने कहा कि विज्ञान की 21वीं सदी में भी अंधविश्वास का शिकार होना दुर्भाग्यपूर्ण है।

संतश्री ने कहा कि मारने वाले से बचाने वाला बड़ा होता है जिसको अपनी आत्म शक्ति पर विश्वास नहीं उसका परमात्मा में भी भरोसा नहीं हो सकता। पति के देवलोक गमन के बाद भी पत्नी शील व्रत का पालन करती है तो वह सौभाग्यवती से भी महान है साक्षात देवी का स्वरूप है, उसको अनदेखा करना, मां सरस्वती, लक्ष्मी और दुर्गा का अपमान करने के समान है। इस मौके पर 35 वीरांगनाओं का सम्मान किया गया। सक्षम मुनिजी व कौशल मुनिजी ने मंगलाचरण किया तथा अक्षतमुनिजी व घनश्याममुनिजी ने विचार व्यक्त किए। सभा का संचालन मंत्री अभय बांठिया ने किया।

गुरुपुष्य और रविपुष्य नक्षत्र हैं साधना, शांति और उन्नति के श्रेष्ठ दिन : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बल्लारी। बुधवार को मेट्री ग्राम के सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालय में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि गुरुवार और रविवार के दिन पुष्य नक्षत्र का आना विशिष्ट योग का निर्माण करता है। इसमें भी जब अमृतसिद्धि योग जुड़ता है तो स्वर्णिम संयोग बन जाता है। इन दिनों भौगोलिक वातावरण में अलौकिक ऊर्जाशक्ति और सकारात्मक भावों की निर्मिति होती है।इनके अलावा रवियोग, कुमारयोग, सिद्धियोग आदि भी सौभाग्यदायक योग माने जाते हैं। ज्योतिष शास्त्रों के अनुसार मंत्रदान, विद्याभ्यास, इष्टतत्व की उपासना, तीर्थयात्रा, आध्यत्मिक साधना और शुभ कार्यों के लिए गुरुपुष्य और रविपुष्य योग अत्याधिक महत्वपूर्ण माने गए हैं। सफलता और सिद्धि के लिए हजारों वर्षों से भारतीय समाज इन दिनों का आराधना करता आया है। इन पवित्र दिनों में ब्रह्मचर्य की परिपालन और संयमित आहारचर्या के साथ जो भावपूर्वक साधना-उपासना करते हैं, वे निहाल हो जाते हैं। जैन व वैदिक परंपरा में इन दिनों मंत्र और ध्यान साधनाओं की सिद्धि के अनेक प्रामाणिक उल्लेख मिलते हैं। यहां ध्वनि विज्ञान के अद्भुत आविष्कार के रूप में अनेक बीजमंत्रों का निर्माण हुआ है। वे प्रकृति और शरीर के विभिन्न केंद्रों को प्रभावित करते हुए मनुष्य को आराध्य के ध्यान में निमग्न करते हैं। समय-समय पर साधकों ने बीजमंत्रों की साधना कर संसार की शांति और मानवजाति की उन्नति के अनेक प्रयोग सिद्ध किए हैं। इस अवसर पर गणि पद्मविमलसागरजी ने कम्पली में होने वाले कार्यक्रम की जानकारी दी।

अपने पिता को याद किया, इसमें क्या गलत है : सतीशन ने शपथ ग्रहण में जातिसूचक उपनाम के इस्तेमाल पर कहा

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री वी डी सतीशन ने शपथ ग्रहण समारोह के दौरान अपने नाम के साथ जातिसूचक उपनाम ''मेनन'' इस्तेमाल करने का बुधवार को बचाव करते हुए कहा कि उन्होंने केवल अपने पिता का नाम लिया था और ऐसे अवसर पर इसमें कुछ भी गलत नहीं है।

उनकी यह टिप्पणी तब आयी है जब शपथ ग्रहण समारोह में जातिसूचक उपनाम के इस्तेमाल को लेकर एक दिन पहले सोशल मीडिया के कुछ वर्गों और कांग्रेस के कुछ नेताओं ने उनकी आलोचना की थी। इससे राज्य में जातीय पहचान और राजनीतिक संदेश को लेकर बहस छिड़ गई।

यहां मंत्रिमंडल की बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में सतीशन ने कहा, ''अगर मैं अपने पिता का नाम लेता हूं तो इसमें गलत क्या है? क्या मुझे उन्हें याद नहीं करना चाहिए?''

वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा, ''मैंने अपने पिता का नाम लिया और मन ही मन अपनी मां को भी याद किया। वहां मेरी मां का नाम लेने की गुंजाइश नहीं थी, अन्यथा मैं वह भी लेता।'' विवाद तब शुरू हुआ जब सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने मुख्यमंत्री के रूप में सतीशन की हालिया शपथ की तुलना 2021 में विधायक के तौर पर ली गई उनकी शपथ से की।

विधानसभा में पहले हुए शपथ ग्रहण के दौरान उन्होंने खुद को केवल ''वी डी सतीशन'' कहा था। हालांकि हाल में संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) की नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में उन्होंने कहा, मैं, वडास्सेरी दामोदर मेनन सतीशन....।'' कांग्रेस के एक वर्ग का कहना था कि मुख्यमंत्री ने केवल समारोह के दौरान अपना विस्तृत नाम लिया, जबकि कुछ अन्य नेताओं ने दावा किया कि जातिसूचक उपनाम के इस्तेमाल के पीछे एक ''संदेश'' छिपा था।

उनके अनुसार, इसे हिंदू समुदाय के कुछ वर्गों तक पहुंच बनाने की कोशिश के रूप में देखा जा सकता है। कांग्रेस नीत यूडीएफ के इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग और जमात-ए-इस्लामी के साथ राजनीतिक संबंधों को लेकर संघ परिवार के संगठनों और भाजपा की आलोचना के बीच यह कदम महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

केरल के दो प्रमुख हिंदू सामुदायिक संगठनों – नायर सर्विस सोसाइटी (एनएसएस), जो उस नायर समुदाय का प्रतिनिधित्व करती है जिससे सतीशन संबंधित हैं, और संख्यात्मक रूप से मजबूत एझवा समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाली एसएनडीपी योगम का नेतृत्व कथित तौर पर सतीशन के मुख्यमंत्री के रूप में चयन के पक्ष में नहीं थे।

विजयनगरम चैप्टर के अध्यक्ष बने रमेश जोशी एवं महासचिव बने मनोज शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विजयनगरम। विफा विजयनगरम चैप्टर की साधारण सभा गत दिनों आयोजित की गई जिसमें जोन-16 ए के अध्यक्ष गोपाल शर्मा ने अपने स्वागत भाषण में संगठन का महत्व बताते हुए सभी को एकजुट होकर विप्र फाउंडेशन को मजबूत करने का आवाहन किया तथा क्षेत्रीय महामंत्री (दक्षिण) भगवान व्यास ने विप्र फाउंडेशन की स्थापना से लेकर वर्तमान तक किए गए कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने विप्र फाउंडेशन की नीतियों और संगठन के बारे में भी विस्तार से बताया और भविष्य की नीतियों और कार्यप्रणाली की जानकारी दी।

उन्होंने सभी से अनुरोध किया कि आपसी मतभेद भुलाकर एकजुट होकर चैप्टर एवं जोन को मजबूत बनाएं। अपने संबोधन में सदस्यता से संबंधित विस्तृत जानकरी देते हुए उन्होंने पंद्रह दिन में 50 से अधिक सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया। उन्होंने जोन प्रेसिडेंट गोपाल शर्मा से कहा कि वे विप्र फाउंडेशन विजयनगरम चैप्टर के अध्यक्ष एवं महामंत्री के मनोनयन की घोषणा करें। इस पर गोपाल शर्मा ने विजयनगरम चैप्टर के लिए रमेश जोशी को अध्यक्ष एवं मनोज कुमार शर्मा को महासचिव पद पर मनोनीत किया।

आयोजित बैठक में नंदकिशोर शर्मा, अशोक शर्मा, अजय शर्मा, राजेश शर्मा, राजेश शर्मा, भोल राज राजपुरोहित, जयकुमार, पवन शर्मा आदि उपस्थित थे।

कोई अपशब्द कहे और हम मुस्कुराकर उत्तर दें, यही है असली धर्म : डॉ.समकितमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यशवंतपुर जैन स्थानक में विराजित संतश्री डॉ. समकितमुनिजी ने उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए मानव व्यवहार, दूसरों की देखा-देखी में विलुप्त होती हमारी संस्कृति और जीवन में सत्कर्मों के 'प्रतिदान' के संदर्भ में प्रवचन दिया। मुनिश्री ने कहा कि इस जीवन से हमें क्या मिला है, यह उतना महत्वपूर्ण नहीं है, जितना यह कि हम इस जीवन को वापस क्या 'अर्पण' कर रहे हैं। जीवन ने जो हमें देना था, वह दे दिया, लेकिन अब हमारा भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि हम बदले में उसे क्या दे रहे हैं। उन्होंने कहा, यदि परिस्थितियां हमें दुख दें और हम प्रतिफल में 'आर्त ध्यान' करें, तो हमारा भविष्य अंधकारमय है, इसलिए परिस्थितियां चाहे जैसी भी हों, अपनी ओर से इस जीवन को सदैव सत्कर्मों और समभाव का श्रेष्ठ 'प्रतिदान' ही देना चाहिए। ङ्गङ्गआज की दिखावे की जीवनशैली पर कड़ा प्रहार करते हुए मुनिश्री ने कहा कि आज की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि हम अपना जीवन अपने अनुसार कम और दूसरों की देखा-देखी ज्यादा जीने लग गए हैं।

हमारा खान-पान और पहनावा कभी इतना आडंबरपूर्ण और खर्चीला नहीं था, हम सादगी का जीवन जीने वाले लोग थे, लेकिन दुनिया की अंधी नकल करके हमने अपने ही उत्कृष्ट संस्कारों को बदल दिया। मुनिश्री ने समाज को चेताते हुए कहा, यह परिवर्तन कतई सकारात्मक नहीं है। हमारी भारतीय और जैन संस्कृति महान सुसंस्कारों से सुसज्जित थी। स्वयं अपने संस्कारों पर अडिग रहो और आगामी पीढ़ी को भी यही सादगी की पवित्र विरासत सौंप कर जाओ।

दूसरों को देख-देखकर अपनी वास्तविक पहचान और निजता को नष्ट मत करो।

व्यवहार की श्रेष्ठता समझाते हुए मुनिश्री ने कहा, अपशब्द के बदले अपशब्द कहना कोई विशेष बात नहीं है, और प्रशंसा के बदले प्रशंसा करना भी कोई बड़ी बात नहीं है। असली महानता तो इसमें है कि कोई आपका अपमान करे और आप फिर भी प्रसन्नता से बात कर लें। उन्होंने जीवन का परम मंत्र देते हुए कहा कि कोई हमारे साथ बुरा करे, यह उसका कर्म है, लेकिन मैं सबका अच्छा करूँ, यही मेरा परम धर्म है। यशवंतपुर संघ के अध्यक्ष सुमेरसिंह मुणोत ने सभी उपस्थित जनों का स्वागत किया तथा मंत्री रमेश बोहरा ने विभिन्न जानकारियां दी।

तेयुप राजाजीनगर की 'कॉन्फिडेंट पब्लिक स्पीकिंग जूनियर कार्यशाला' हुई शुरू

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा जूनियर वर्ग के लिए कॉन्फिडेंट पब्लिक स्पीकिंग (सीपीएस) कार्यशाला का शुभारंभ मंगलवार को हुआ। तेयुप के मंत्री अनिमेष चौधरी ने सभी का स्वागत किया। कार्यशाला के पहले दिन पर प्रशिक्षक आकाश शाह ने सभी प्रतिभागियों का परिचय करवाया और सार्वजनिक तौर पर स्टेज पर जाकर संवाद करते समय ध्यान रखने वाली बातों के बारे में बताया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को बोलने का तरीका, खड़े रहने का तरीका, आवाज का स्तर, आईं कॉन्टैक्ट, ड्रेस कोड के बारे में जानकारी प्रदान की।

इस अवसर पर सीपीएस की प्रशिक्षिका लता नवलखा, प्रोविज़नल प्रशिक्षक प्रमित गंग, राजाजीनगर सीपीएस संयोजक अजिंक्या चौधरी सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

कांग्रेस के नेता कर्ण सिंह ने तमिल नेताओं से सनातन पर 'अपमानजनक' टिप्पणी करने से बचने को कहा

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्ववर्ती जम्मू कश्मीर के 'सदरे रियासत' डॉक्टर कर्ण सिंह ने बुधवार को तमिलनाडु के राजनेताओं से सनातन धर्म के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने से परहेज करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि ऐसे बयान देश भर में बड़ी संख्या में लोगों को तकलीफ पहुंचाते हैं।

सिंह ने एक बयान में कहा कि वरिष्ठ तमिल राजनेताओं द्वारा सनातन धर्म को निशाना बनाकर बार-बार की गई टिप्पणियां पूरी तरह से अनुचित और अस्वीकार्य हैं। उन्होंने कहा, उन्हें यह समझना होगा कि तमिलनाडु के बाहर करोड़ों लोग सनातन धर्म को हिंदू धर्म के रूप में देखते हैं और जातिगत नजरिये से देख कर उसकी आलोचना करना पूरी तरह अनुचित है। उन्होंने कहा कि तंजावुर, तिरुचिरापल्ली, श्रीरंगम, चिदंबरम, मदुरै मीनाक्षी और रामेश्वरम सहित हिंदू धर्म के कुछ सबसे प्रमुख मंदिर तमिलनाडु में स्थित हैं।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**